राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 04 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-308 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला, राष्ट्रपति को पकड़ा

ट्रम्प बोले: मादुरो और उनकी पत्नी अब हमारे कब्जे में, रात में एयरस्ट्राइक की थी

एजेंसी

कारकस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। अमेरिका ने शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी कारकस समेत 4 शहरों को निशाना बनाया है। इनमें काराकास के अलावा मिरांडा, अरागुआ और ला ग्वायरा शामिल हैं। अमेरिका ने इन राज्यों के सैन्य ठिकानों पर 7 हवाई हमले किए। पहला हमला स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 2 बजे हुआ। अमेरिकी मीडिया उइर न्यूज के मुताबिक ट्रम्प ने वेनेजुएला के अंदर सैन्य सुविधाओं और कई खास जगहों पर हमले का आदेश दिया था। हमले के एक वायरल वीडियो में शहर के ऊपर कम ऊंचाई से गुजरते करीब 10 हेलिकॉप्टर नजर आए। रॉयटर्स के मुताबिक, शहर के कई इलाकों में तेज आवाजें सुनी गईं। बाद में यहां बिजली गुल हो गई। इससे पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बयान जारी कर कहा कि हमलों का डटकर जवाब दिया जाएगा। मादुरो ने देशभर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका तख्तापलट करना चाहता है, ताकि वेनेजुएला के तेल और खनिज संसाधनों पर कब्जा कर सके। अमेरिका ने यह हमला ऐसे समय में किया है, जब दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ा हुआ है। अमेरिका ने वेनेजुएला के पास

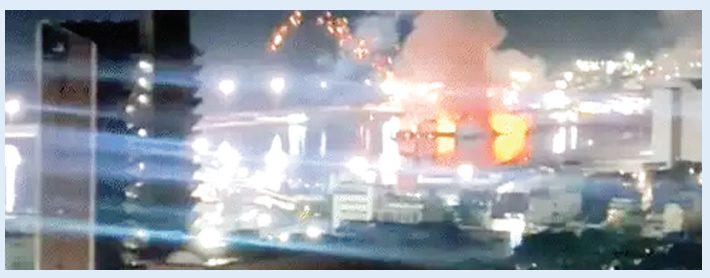

समुद्र में सैनिक, विमान और युद्धपोत तैनात कर रखे हैं। बीते 4 महीने में अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की 35 नावों हमले किए हैं। इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अमेरिका का दावा है कि वे ड्रग तस्करी में शामिल थीं। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शनिवार सुबह देश के सरकारी टीवी चैनल पर बोलते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के जीवित होने के प्रमाण और उनके ठिकाने की जानकारी देने की मांग की। ये टिप्पणियां राष्ट्रपति ट्रम्प के यह कहने के तुरंत बाद आईं कि मादुरो को पकड़ लिया गया है और वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने देश भर में सैन्य बलों की तैनाती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मादुरो के आदेशों के अनुसार सभी सशस्त्र बलों को तैनात किया जाएगा, लेकिन उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, "उन्होंने हम पर हमला किया है लेकिन वे हमें वश में नहीं कर पाएंगे।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "हम उस दहशत के आगे न झुकें जिसे दुश्मन पैदा करना चाहता है।" कोलंबिया स्थित अमेरिकी दूतावास ने लोगों से वेनेजुएला की राजधानी काराकास और उसके आसपास की यात्रा से बचने की सलाह दी है। एक सुरक्षा नोटिस में, दूतावास ने वेनेजुएला में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने स्थानों पर सुरक्षित रहें।

प्रियंका गांधी के बेटे ने अपनी सगाई कन्फर्म की

■ रॉबर्ट वाड्रा बोले : बेटा जवान हो गया

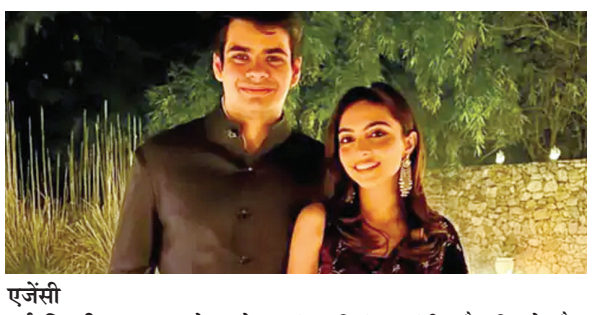

एजेंसी

नई दिल्ली। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा की गर्लफ्रेंड अवीवा बेग से सगाई हो गई है। दोनों ने इंस्टाग्राम पर सगाई की फोटो पोस्ट की है। इसमें उन्होंने बताया कि सगाई 29 दिसंबर 2025 को हो गई है। वहीं, उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने भी बेटे रेहान की सगाई की फोटो पोस्ट करके कहा- बेटा जवान हो गया, उसे जीवनसंगनी मिल गई। रेहान के जीवन में हमेशा खुशियां बनी रहें। इससे पहले 30 दिसंबर को न्यूज एजेंसी ढळकने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी थी। जिसके बाद कपल फेमिली के साथ राजस्थान के रणथंभौर पहुंचा था। रेहान और अवीवा 7 साल से रिलेशनशिप में हैं। दोनों को ही फोटोग्राफी का शौक है। इससे पहले 30 दिसंबर को न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी थी। जिसके बाद कपल फेमिली के साथ राजस्थान के रणथंभौर पहुंचा था। रेहान और अवीवा 7 साल से रिलेशनशिप में हैं। दोनों को ही फोटोग्राफी का शौक है।

भागीरथपुरा में कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े

■ तीन थानों की पुलिस ने संभाली स्थिति

एजेंसी

इंदौर। भागीरथपुरा में कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। कांग्रेस नेता दूषित पानी पीने से मृत हुए लोगों के परिजनों से बस्ती में आए थे। वहां भाजपा कार्यकर्ता बस्ती वालों के साथ मिलकर काले झंडे दिखाने लगे और वापस जाओ-वापस जाओ के नारे लगाने लगे। इसके बाद कांग्रेस नेता भी नारेबाजी करने लगे। विवाद की स्थिति बनने के बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा और गुत्थमगुत्था हो रहे कार्यकर्ताओं को अलग-अलग किया। एक घंटे तक हंगामे के हालत बने। प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी, कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा विरोध के बीच कुछ परिजनों से मिले। बाद में पुलिस जवानों ने सख्ती दिखाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बस्ती से रवाना किया। हंगामे की स्थिति को देखते हुए तीन थानों का पुलिस बल मौके पर आ गया था।

पीएम मोदी बोले: 125 साल बाद बुद्ध के अवशेष भारत लाए गए

उनके लिए ये एंटीक पीस थे हमारे लिए सबकुछ, दिल्ली में एग्जीबिशन का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेषों की भारत वापसी पर कहा कि इन अवशेषों को अपने बीच पाकर हम धन्य है। 125 साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है। अवशेषों का भारत से बाहर जाना फिर वापस आना एक बड़ा सबक है। गुलामी के काल में इन्हें भारत से छीना गया था। जो लोग इसे लेकर गए थे उनके ये केवल एंटीक थे इसलिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने की भी कोशिश की। भारत ने तय किया कि हम इनकी नीलामी नहीं होने देंगे। हम गोदरेज समूह का आभार व्यक्त करते हैं उनके सहयोग से ये मुमकिन हो सका कि ये अवशेष बुद्ध की भूमि पर वापस आए। दरअसल साल 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (कपिलवस्तु क्षेत्र) में खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध के अवशेष मिले थे। यह खुदाई ब्रिटिश काल में हुई

थी। खुदाई कराने वाले व्यक्ति डब्ल्यू. सी. पेपे, उस समय ब्रिटिश शासन में एक इंजीनियर थे। उस वक्त इन अवशेषों को भारत से बाहर भेज दिया गया था। इन्हें अब वापस लाया गया है। अवशेषों को दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की एग्जीबिशन में रखा गया है। पीएम मोदी ने इस एग्जीबिशन का इनॉगरेशन किया। भगवान बुद्ध का ज्ञान पूरी मानवता का है। ये भाव हमने बीते कुछ महीनों में महसूस किया। ये अवशेष जिस देश में गए वहां आस्था का सैलाब उमड़ा। थाईलैंड में रखे गए अवशेषों का 40 लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किया। मंगोलिया में हजारों लोग घंटो प्रतीक्षा करते रहे। कई लोग भारतीय प्रतिनिधियों को छूना चाह रहे थे क्योंकि वे बुद्ध की भूमि से आए थे। रूस में भी लाखों लोगों ने इसके दर्शन किए। भगवान बुद्ध सबके हैं, बुद्ध सबको जोड़ते हैं। मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं, उनका मेरे जीवन में गहरा स्थान रहा है। जब मैं सरकार के दायित्वों से दूर था तब भी बौद्ध तीर्थस्थलों का दौरा करता था। नेपाल के लुंबिनी में माया देवी मंदिर में जाना अद्भुत अनुभव था। जापान और चीन में भी मैंने भगवान बुद्ध को महसूस किया। मंगोलिया में लोगों की आंखों में बुद्ध से जुड़ाव देखा। मैं जहां गया मेरा प्रयास रहा कि बुद्ध की एक विरासत का प्रतीक लेकर लौटूं। भगवान बुद्ध की ये साझा विरासत प्रमाण है कि भारत डिप्लोमेसी, राजनीति से ही नहीं जुड़ता बल्कि आस्था और अध्यात्म से भी जुड़ता है। भारत उनकी परंपरा का जीवंत वाहक है। पिपरहवा अवशेष भगवान बुद्ध से जुड़ी हुई पवित्र और पुरातात्विक चीजें हैं। ये अवशेष उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित पिपरहवा नामक स्थान पर खुदाई के दौरान मिले थे। मान्यता है कि इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियां (धातु अवशेष) और उनसे जुड़ी प्राचीन वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें उनके महापरिनिर्वाण के बाद अलग-अलग स्थानों पर रखा गया था।

'बेवजह मुद्दे को भड़काने की कोई जरूरत नहीं..'

■ बंगलूरू में बुलडोजर एक्शन का थरूर ने किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बंगलूरू में कर्नाटक सरकार की ओर से चलाए गए तोड़फोड़ अभियान का समर्थन किया है। पिछले महीने दक्षिणी राज्य में इस कार्रवाई को लेकर पार्टी के भीतर काफी विवाद हुआ था। इस कदम का बचाव करते हुए थरूर ने कहा कि पूरी कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई और प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था का वादा भी किया गया है।थरूर ने शुक्रवार को कहा कि जिस जमीन पर मकान बने थे, वह सरकारी जमीन थी और लोग वहां अवैध रूप से रह रहे थे। उन्होंने कहा कि वह इलाका कचरा डंपिंग साइट था और जहरीले कचरे के कारण वहां का पानी भी दूषित हो चुका था, इसलिए वह जगह रहने के लिए उपयुक्त नहीं थी।विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि तोड़फोड़ से पहले लोगों को इसकी सूचना दी गई थी। उन्होंने कहा कि केवल इस आधार पर इस मुद्दे को राजनीतिक रूप देना सही नहीं है कि प्रभावित

लोग गरीब हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रभावित परिवारों को अस्थायी आवास देने का फैसला किया है और पांच से छह महीने के भीतर स्थायी मकान देने का भी वादा किया है। उनके मुताबिक, जब समाधान निकाला जा चुका है, तो इस मुद्दे को बेवजह भड़काने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में कुछ खामियां हो सकती हैं और इस पर मतभेद भी हो सकते हैं, लेकिन समाधान का आश्वासन दिया गया है। थरूर ने जोर देकर कहा कि सभी कार्रवाई कानूनी दायरे में होनी चाहिए। थरूर ने यह भी कहा कि कर्नाटक सरकार ने अदालत के निर्देशों का पालन करते हुए यह कदम उठाया है।

भागवत बोले: भाजपा को आरएसएस कंट्रोल नहीं करता

संघ को पार्टी के नजरिए से देखना गलत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा या विश्व हिंदू परिषद के नजरिए से आरएसएस को समझना गलत है। सभी स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और संघ किसी (भाजपा) को कंट्रोल नहीं करता। संघ का उद्देश्य सत्ता, टिकट या चुनाव नहीं, बल्कि समाज की गुणवत्ता और चरित्र निर्माण है। भोपाल में RSS के 100 साल पूरे होने पर आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में बोलते हुए भागवत ने कहा कि हम वर्दी पहनते हैं, मार्च निकालते हैं और लाठी का अभ्यास करते हैं। ऐसे में अगर कोई सोचता है कि यह एक पैरा मिलिट्री

फोर्स है तो यह एक गलती होगी। भागवत ने आगे कहा कि हमारे मत-पंथ, संप्रदाय, भाषा और जाति अलग हो सकती है, लेकिन हिंदू पहचान हम सबको जोड़ती है। हमारी संस्कृति एक है, धर्म एक है और हमारे पूर्वज भी समान हैं। गोष्ठी में मोहन भागवत ने राजनीति, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, युवाओं की दिशा, पारिवारिक जीवन और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। टैरिफ और विदेशी निर्भरता पर स्पष्ट स्टैंड: अमेरिका के टैरिफ जैसे वैश्विक मुद्दों पर भागवत ने कहा कि भारत को स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि किसी विदेशी वस्तु की आवश्यकता पड़े भी, तो वह भारत की शर्तों पर हो। भारत टैरिफ से डरने वाला देश नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की क्षमता रखता है। नई पीढ़ी को भारतीयता से जोड़ने की जरूरत: जेन-जी और युवाओं को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। चीन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां की पीढ़ी को बचपन से राष्ट्रीय दृष्टि सिखाई जाती है, भारत को भी अपनी पीढ़ी को संस्कार और इतिहास से जोड़ना होगा।

तिरुपति के गोविंदराजस्वामी मंदिर पर नशे में चढ़ा व्यक्ति, शराब मांगी

एजेंसी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में शुक्रवार देर रात गोविंदराजस्वामी मंदिर के ऊपर पर एक व्यक्ति चढ़ गया और हंगामा किया। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा। व्यक्ति की पहचान तेलंगाना के निजामाबाद जिला निवासी कुट्टाडी तिरुपति (45) के रूप में हुई है। वो सिक्योरिटी गार्ड्स को चकमा देकर मंदिर में घुस गया था। पुलिस ने बताया कि उसे शराब देने के बाद नीचे उतारा गया और तिरुपति ईस्ट पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति दर्शन खत्म होने के बाद नशे

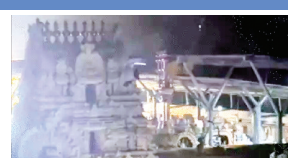

की हालत में मंदिर परिसर में घुस गया। मंदिर की दीवार पर चढ़ गया और गोपुरम के ऊपर रखा कलश चुराने की कोशिश भी की। पुलिस, फायर ब्रिगेड और मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों को उस आदमी को नीचे उतारने में तीन घंटे लग गए। नीचे उतारे जाने के बाद मीडिया ने उससे पूछा कि क्या यह सच है कि उसने शराब की पूरी बोतल मांगी थी। आदमी ने कहा कि उसे तो बस 90' चाहिए थी।

छत्तीसगढ़ में 14 नक्सली ढेर, देवा का 20 नक्सलियों समेत सरेंडर

सुकमा में 12, बीजापुर में 2 मारे गए, सभी के शव-हथियार बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार सुबह दो अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया है। सुकमा के किस्टाराम इलाके में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए हैं। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। इस बीच छत्तीसगढ़ का मोस्ट वांटेड नक्सली स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर (SZCM) देवा बारसे ने हैदराबाद में सरेंडर कर दिया है। देवा के साथ 20 नक्सलियों ने भी हथियार डाल दिए हैं। हैदराबाद में दोपहर 3 बजे पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देगी। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची थी। सुकमा के किस्टाराम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के इनपुट पर डीआरजी की टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इस दौरान शनिवार सुबह करीब 8 बजे नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में फोर्स ने 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सर्चिंग जारी है। इधर, बीजापुर में माओवादियों की मौजूदगी की इनपुट मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू किया।

डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम नक्सल विरोधी ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान शनिवार तड़के नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुबह करीब 5 बजे से माओवादियों के साथ रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

मुठभेड़ की पुष्टि एसपी जितेंद्र यादव ने की है। मारा गया एक नक्सली एरिया कमेटी मेंबर है, जिस पर पर 5 लाख का नाम इनाम था, जबकि दूसरा 8 लाख का इनामी था। इससे पहले 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा के कंधमाल में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 6 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 1 करोड़ से ज्यादा का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर (CCM) गणेश उईके (69) भी शामिल है। दो महिला नक्सली भी मारी गईं। मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए थे। नक्सल संगठन में बस्तर के अलग-अलग इलाकों में करीब 200 से 300 आर्म्ड कैडर के नक्सली ही बचे हुए हैं, जो टुकड़ों में यहां-वहां छिपे हुए हैं। नक्सलियों का महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ (MMC) जोन पूरी तरह से खत्म हो गया है। उत्तर बस्तर और माड़ डिवीजन से भी नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है।

अब फोर्स के लिए इन 90 दिनों में दक्षिण बस्तर डिवीजन को नक्सल मुक्त करना ही सबसे बड़ी चुनौती है। जानकारी के मुताबिक दक्षिण बस्तर के जंगलों में ही पापाराव अपने साथियों के साथ अलग-अलग टुकड़ियों में छिपे हुए हैं। जबकि मिशिर बेसरा झारखंड में है। कुछ समय पहले देवजी की लोकेशन तेलंगाना-आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के ट्राई जंक्शन में थी। हालांकि, वह बार-बार ठिकाने बदल रहा है। इन 90 दिनों में अगर ये 5 से 6 बड़े नक्सली मारे जाते हैं या सरेंडर करते हैं तो बस्तर के फ्रंट लाइन के सभी टॉप लीडर्स खत्म हो जाएंगे।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव: बिना वोट पड़े 68 कैंडीडेट निर्विरोध जीते

बीजेपी के 44 उम्मीदवार, शिंदे के 22, बची सीटों पर 15 जनवरी को वोटिंग

एजेंसी

मुम्बई। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव की वोटिंग से 13 दिन पहले बीजेपी गठबंधन (महायुति) ने 68 सीटों पर निर्विरोध जीत दर्ज कर ली है। बीजेपी को 44 सीटें मिलीं, एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 22 सीटें अपने नाम कीं। वहीं अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के खाते में दो सीटें आईं। नियमों के मुताबिक, अगर किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार मैदान में रह जाता है और कोई दूसरा प्रत्याशी नामांकन नहीं करता या नाम वापस ले लेता है, तो उस उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित

घोषित कर दिया जाता है। इन 68 सीटों पर भी यही स्थिति बनी, इसलिए मतदान कराने की जरूरत ही नहीं पड़ी। यानी अब 29 नगर निगम की बची हुई 2801 सीटों पर 15 जनवरी को वोटिंग होगी। नतीजे 16 जनवरी को आएंगे। बीजेपी के जो 44 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। वे सबसे ज्यादा ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली नगर निगम से हैं। इसके बाद पुणे, पिंपरी चिंचवड़, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर नगर निगम से चुनाव जीते। पुणे के वार्ड नंबर 35 से बीजेपी उम्मीदवार मंजूषा नागपुरे और श्रीकांत जगताप निर्विरोध चुने गए। ये दोनों 2017 से 2022 के बीच भी इसी वार्ड से चुने गए थे। MNS नेता अविनाश जाधव ने कहा, अगर आप वोटिंग से पहले ही जीतना चाहते हैं तो चुनाव क्यों करवाते हैं। दोनों सत्ताधारी पार्टियों को इसे आपस में बांट लेना चाहिए। भारत और राज्य में लोकतंत्र खत्म हो गया है। उन्होंने विपक्ष के कमजोर उम्मीदवारों को चुना और अपना काम करवा लिया। शिवसेना (UBT) नेता अरविंद सावंत ने भी ऐसी निर्विरोध जीत सुनिश्चित करने के लिए विपक्षी उम्मीदवारों पर दबाव डालने का आरोप सत्ताधारी पार्टियों पर लगाया। मुंबई नगर निकाय की 227 सीटों में से 32 सीटों पर BJP-शिवसेना गठबंधन और शिवसेना (UBT)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच सीधा मुकाबला होगा। यह स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि कांग्रेस-बहुजन वंचित अघाड़ी (VBA) गठबंधन ने इन सीटों पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। कांग्रेस ने अब तक मुंबई में 143 उम्मीदवारों की घोषणा की है। VBA के 46 सीटों पर चुनाव लड़ने और वामपंथी दलों और राष्ट्रीय समाज पार्टी सहित अन्य सहयोगियों को छह सीटें दी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंधे को रौशनी देने वाले वैज्ञानिक लुइस ब्रेल

रंग बिरंगे संसार के स्थान पर उस बालक के लिये सब कुछ गहन अंधकार में डूब गया। अपने पिता के चमडे के उद्योग में उत्सुकता रखने वाले लुई ने अपनी आखें एक दुर्घटना में गवां दी। यह दुर्घटना लुई के पिता की कार्यशाला में घटी। जहाँ तीन वर्ष की उम्र में एक लोहे का सूजा लुई की आँख में घुस गया। बालक कोई साधरण बालक नहीं था। उसके मन में संसार से लडने की प्रबल इच्छाशक्ति थी।

(लेखक- संजय गोस्वामी)

फ्रांस के शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे जिन्होने अंधों के लिये लिखने तथा पढ़ने की प्रणाली विकसित की। यह पद्धति ब्रेल नाम से जगप्रसिद्ध है। फ्रांस में जन्मे लुई ब्रेल अंधों के लिए ज्ञान के चक्षु बन गए।लुइस ब्रेल का जन्म 4 जनवरी 1809 में फ्रांस के छोटे से ग्राम कुप्रे में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। इनके पिता साइमन रेले ब्रेल शाही घोडों के लिये काठी और जीन बनाने का कार्य किया करते थें। पारिवारिक आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं होने के कारण साइमन के। अतिरिक्त मेहनत करनी होती थी इसीलिये जब बालक लुइस मात्र तीन वर्ष के हुये तो उनके पिता ने उसे भी अपने साथ घोड़ों के लिये काठी और जीन बनाने के कार्य में लगा लिया। अपने स्वभाव के अनुरूप तीन वर्षीय बालक अपने आस पास उपलब्ध वस्तुओं से खेलने में अपना समय बिताया करता था इसलिये बालक लुइस के खेलने की वस्तुये वही थीं जो उसके पिता द्वारा अपने कार्य में उपयोग की जाती थीं जैसे कठोर लकड़ी, रस्सी, लोहे के टुकडे, घोड़े की नाल, चाकू और काम आने वाले लोहे के औजार। किसी तीन वर्षीय बालक का अपने नजदीक उपलब्ध वस्तुओं के साथ खेलना और शरारतों में लिप्त रहना नितांत स्वाभाविक भी था। एक दिन काठी के लिये लकड़ी को काटते में इस्तेमाल किया जाने वाली चाकू अचानक उछल कर इस नन्हें बालक की आंख में जा लगी और बालक की आँख से खून की धारा बह निकली। रोता हुआ बालक अपनी आंख को हाथ से दबाकर सीधे घर आया और घर में साधारण जडी लगाकर उसकी आँख पर पट्टी कर दी गयी। शायद यह माना गया होगा कि छोटा बालक है सो शीघ्र ही चोट स्वत: ठीक हो जायेगी। बालक लुइस की आंख के ठीक होने की प्रतीक्षा की जाने लगी। कुछ दिन बाद बालक लुइस ने अपनी दूसरी आंख से भी कम दिखलायी देने की शिकायत की परन्तु यह उसके पिता साइमन की साघन हीनता रही होगी अथवा लापरवाही जिसके चलते बालक की आँख का समुचित इलाज नहीं कराया जा सका और धीरे धीरे वह नन्हा बालक आठ वर्ष का पूरा होने तक पूरी तरह दृष्टि हीन हो गया। रंग बिरंगे संसार के स्थान पर उस बालक के लिये सब कुछ गहन अंधकार में डूब गया। अपने पिता के चमडे के उद्योग में उत्सुकता रखने वाले लुई ने अपनी आखें एक दुर्घटना में गवां दी। यह दुर्घटना लुई के पिता की कार्यशाला में घटी। जहाँ तीन वर्ष की उम्र में एक लोहे का सूजा लुई की आँख में घुस गया। बालक कोई साधरण बालक नहीं था। उसके मन में संसार से लडने की प्रबल इच्छाशक्ति थी। उसने हार नहीं मानी और फ्रांस के मशहूर पादरी बैलेन्टाइन की शरण में जा पहुंचा। पादरी बैनेन्टाइन के प्रयासों के चलते 1819 में इस दस वर्षीय बालक को ' रायल इन्स्टीट्यूट फार ब्लाइन्डस् ' में दाखिला मिल गया। यह वर्ष 1821 था। बालक लुइस अब तक बारह बर्ष का हो चुका था। इसी दौरान विद्यालय में बालक लुइस को पता चला कि शाही सेना के सेवानिवृत कैप्टेन चार्लस बार्बर ने सेना के लिये ऐसी कूटलिपि का विकास किया है जिसकी सहायता से वे टटोलकर अंधेरे में भी संदेशों के पढ सकते थे। कैप्टेन चार्लस बार्बर का उद्देश्य युद्व के दौरान सैनिकों को आने वाली परेशानियों को कम करना था। बालक लुइस का मष्तिष्क सैनिकों के द्वारा टटोलकर पढ़ी जा सकने वाली कूटलिपि में दृष्टिहीन व्यक्तियो के लिये पढने की संभावना ढूंढ रहा था। उसने पादरी बैलेन्टाइन से यह इच्छा प्रगट की कि वह कैप्टेन चार्लस बार्बर से मुलाकात करना चाहता है। पादरी ने लुइस की कैप्टेन से मुलाकात की व्यवस्था करायी। अपनी मुलाकात के दौरान बालक ने कैप्टेन के द्वारा सुझायी गयी कूटलिपि में कुछ संशोधन प्रस्तावित किये। कैप्टेन चार्लस बार्बर उस अंधे बालक का आत्मविश्वाश देखकर दंग रह गये। अंतत: पादरी बैलेन्टाइन के इस शिष्य के द्वारा बताये गये संशोधनों को उन्होंने स्वीकार किया बाद में स्वयं लुइस ब्रेल ने आठ वर्षो के अथक परिश्रम से इस लिपि में अनेक संशोधन किये और अंतत: 1829 में छह बिन्दुओ पर आधारित ऐसी लिपि बनाने में सफल हुये। लुइस ब्रेल के आत्मविश्वाश की अभी और परीक्षा होना बाकी था इसलिये उनके द्वारा आविष्कृत लिपि को तत्कालीन शिक्षाशास्त्रियों द्वारा मान्यता नहीं दी गयी और उसका माखौल उडाया गया। सेना के सेवानिवृत कैप्टेन चार्लस बार्बर के नाम का साया लगातार इस लिपि पर मंडराता रहा और सेना के द्वारा उपयोग में लाये जाने के कारण इस लिपि को सेना की कूटलिपि ही समझा गया परन्तु लुइस ब्रेल ने हार नहीं मानी और पादरी बैलेन्टाइन के

संवेदनात्मक आर्थिक एवं मानसिक सहयोग से इस शिष्य ने अपनी अविष्कृत लिपि को दृष्टि हीन व्यक्तियों के मध्य लगातार प्रचारित किया। उन्होंने सरकार से प्रार्थना की कि इसे दृष्टिहीनों की भाषा के रूप में मान्यता प्रदान की जाय। यह लुइस का दुर्भाग्य रहा कि उनके प्रयासों को सफलता नहीं मिल सकी और तत्कालीन शिक्षाशास्त्रियों द्वारा इसे भाषा के रूप में मान्यता दिये जाने योग्य नहीं समझा गया। अपने प्रयासों को सामाजिक एवं संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिये संघषरत लुइस 43 वर्ष की अवस्था में अंतत: 1852 में जीवन की लडाई से हार गये परन्तु उनका हौसला उनकी मृत्यु के बाद भी नहीं मरा।उनका देहान्त 6 जनवरी 1852 को हुआ। लुइस ब्रेल द्वारा अविष्कृत छह बिन्दुओ पर आधारित लिपि उनकी मृत्यु के उपरान्त दृष्टिहीनों के मध्य लगातार लोकप्रिय होती गयी।

लुइस की मृत्यु की घटना के बाद शिक्षाशास्त्रियों द्वारा उनके किये गये कार्य की गम्भीरता को समझा जाने लगा और दृष्टिहीनों के मध्य लगातार मान्यता पाती जा रही लिपि के प्रति अपने पूर्वाग्रहपूर्ण दकियानूसी विचारों से बाहर निकलतें हुये इसे मान्यता प्रदान करने की दिशा में विचारित किया गया। अंतत: लुइस की मृत्यु के पूरे एक सौ वर्षों के बाद फ्रांस में 20 जून 1952 का दिन उनके सम्मान का दिवस निर्धारित किया गया। इस दिन उनके ग्रह ग्राम कुप्रे में सौ वर्ष पूर्व दफनाये गये उनके पार्थिव शरीर के अवशेष पूरे राजकीय सम्मान के साथ बाहर निकाले गये। उस दिन जैसे लुइस के ग्राम कुप्रे में उनका पुर्नजन्म हुआ। स्थानीय प्रशासन तथा सेना के आला अधिकारी जिनके पूर्वजों ने लुइस के जीवन काल में उनका लगातार उपेक्षित किया तथा दृष्टिहीनों के लिये उनकी लिपि को गम्भीरता से न लेकर उसका माखौल उडाया अपने पूर्वजों के द्वारा की गयी गलती की माफी मांगने के लिये उनकी समाधि के चारों ओर इकट्ठा हुये। लुइस के शरीर के अवशेष ससम्मान निकाले गये। सेना के द्वारा बजायी गयी शोक धुन के बीच राष्ट्रीय ध्वज में उन्हें पुन: लपेटा गया और अपनी ऐतिहासिक भूल के लिये उत्खनित नश्वर शरीर के अंश के सामने समूचे राष् ने उनसे माफी मांगी। राष्ट्रीय धुन बजायी गयी और इस सब के उपरान्त धर्माधिकारियों के द्वारा दिये गये निर्देशन के अनुरूप लुइस से ससम्मान चिर निद्रा में लीन होने प्रार्थना की गयी और इसके लिये बनाये गये स्थान में उन्हें राष्ट्रीय सम्मान के साथ पुन: दफनाया गया। सम्पूर्ण वातावरण ऐसा अनुभव दे रहा था जैसे लुइस पुन: जीवित हो उठे है।

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा? लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है।

जहाँ अक्षर उँगलियों से बोलते हैं: ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल

(लेखक -सुनील कुमार महला)

प्रतिवर्ष 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस (वर्ल्ड ब्रेल डे) के रूप में मनाया जाता है, क्यों कि आज ही के दिन ब्रेल लिपि(नेत्रहीन लोगों के पढ़ने के लिए एक लिपि) के आविष्कारक लुईस ब्रेल का जन्म हुआ था। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती पर दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अधिकारों, उनकी शिक्षा और उनके लिए समान अवसरों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि यह एक लिपि है, जिसे दुनिया की लगभग सभी भाषाओं में अपनाया जा सकता है। केवल छह उभरे बिंदुओं के संयोजन से अक्षर, अंक, गणितीय चिह्न, संगीत संकेत और यहां तक कि कंप्यूटर कोड भी पढ़े-लिखे जा सकते हैं। जानकारी मिलती है और लुई ब्रेल ने इस प्रणाली का विकास मात्र 15 वर्ष की उम्र में किया था। आज ब्रेल केवल काग़ज़ तक सीमित नहीं है। डिजिटल ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल नोट-टेकर और स्मार्ट डिवाइसों ने इसे आधुनिक तकनीक से जोड़ दिया है, जिससे आज शिक्षा और रोज़गार के नए अवसर खुले हैं। भारत में भी विभिन्न भारतीय भाषाओं के लिए मानकीकृत ब्रेल उपलब्ध है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य दृष्टिबाधित लोगों के शिक्षा, सूचना और अभिव्यक्ति के अधिकार को सुदृढ़ करना, समाज में समावेशन (इन्क्लूजन) की भावना को बढ़ावा देना और सुलभ सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। ब्रेल साक्षरता आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और गरिमापूर्ण जीवन की आधारशिला है और वास्तव में यही संदेश विश्व ब्रेल दिवस के केंद्र में रहता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि (2026 की थीम के संदर्भ में) उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष कोई अनिवार्य/स्थायी आधिकारिक थीम घोषित नहीं करता है तथा 2026 में भी यह दिवस व्यापक रूप से सुलभता, समावेशी शिक्षा और दृष्टिबाधितों के अधिकारों जैसे संदेशों के साथ मनाया जाएगा। कुल मिलाकर, विश्व ब्रेल दिवस हमें याद दिलाता है कि सुलभता कोई सुविधा नहीं है, बल्कि यह मौलिक अधिकार है, और ब्रेल लिपि इस अधिकार को साकार करने का सशक्त माध्यम है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि फ्रांस में जन्मे लुईस ब्रेल नेत्रहीनों (अंधों) के लिए ज्ञान के चक्षु बन गए। फ्रांस के लुई ब्रेल ने स्वयं एक दृष्टिहीन होने के बावजूद दृष्टिहीनों को पढ़ने-लिखने के योग्य बनाया। सामान्य बच्चे या तो रोमन लिपि में पढ़ते हैं या देवनागरी लिपि में, लेकिन दृष्टिहीन बच्चों के पढ़ने के लिए लुई ब्रेल ने एक अलग लिपि जिसे ब्रेल के नाम से जाना जाता है, छोटी उम्र में ही विकसित की। पाठकों को यहां जानकारी देना चाहूंगा कि लुई ब्रेल का पारिवारिक जीवन अत्यंत साधारण, संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक था।उनका जन्म 4 जनवरी 1809 को कूपव्रे, फ्रांस में हुआ था तथा उनके पिता साइमन-रेने ब्रेल पेशे से चमड़े का काम (हार्नेस बनाने) करते थे, जबकि माता मोनीक ब्रेल एक गृहिणी थीं। जानकारी मिलती है कि उनका परिवार आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं था, लेकिन माता-पिता ने बच्चों को संस्कार, अनुशासन और शिक्षा का महत्व सिखाया।लुई ब्रेल अपने परिवार के चार बच्चों में सबसे छोटे थे। कहते हैं कि मात्र तीन वर्ष की उम्र में पिता की कार्यशाला में खेलते समय एक औज़ार से उनकी आंख में चोट लगी, जो संक्रमण के कारण धीरे-धीरे पूर्ण दृष्टिहीनता में बदल गई।

इस दुर्घटना के बाद परिवार ने उन्हें बोझ नहीं समझा, बल्कि हर संभव सहयोग दिया। माता-पिता ने उनके आत्मविश्वास को बनाए रखा और शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया।लुई ब्रेल का विवाह नहीं हुआ तथा उनका पूरा जीवन शिक्षा, अध्ययन और दृष्टिबाधित लोगों के लिए उपयोगी लेखन प्रणाली के विकास को समर्पित रहा। परिवार का भावनात्मक सहारा और बचपन में मिले संस्कार उनके व्यक्तित्व की नींव बने। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर उन्होंने ऐसी लिपि विकसित की, जिसने दुनिया भर के करोड़ों दृष्टिबाधित लोगों के जीवन को रोशन किया।पिता के साथ काम करने के दौरान एक हादसे में पहले उनकी एक ही आंख खराब हुई थी, लेकिन बाद में उनकी दूसरी आंख की रौशनी भी चली गई थी तथा आर्थिक तंगी के कारण उन्हें सही से इलाज भी न मिल सका और 8 साल की उम्र में ही लुईस ब्रेल को दिखाई देना बंद हो गया था। ब्रेल ने नेत्रहीनों के लिए पढ़ने और लिखने के लिए एक स्पर्शनीय कोड का आविष्कार किया था, जो ब्रेल लिपि कहलाई। इसमें विशेष प्रकार के उभरे कागज का इस्तेमाल होता है, जिस पर उभरे हुए बिंदुओं को छूकर पढ़ा जा सकता है। टाइपराइटर की तरह की ही एक मशीन ब्रेलराइटर के माध्यम से ब्रेल लिपि को लिखा जा सकता है। इसके अलावा स्टायलस और ब्रेल स्लेट के जरिए भी लिख सकते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि ब्रेल में उभरे हुए बिंदुओं को सेल कहा जाता है। बहरहाल, नेत्रहीन यानी कि जो देख नहीं सकते उन लोगों के लिए 4 जनवरी का दिन बेहद खास होता है। ये लुईस ब्रेल ही थे, जिसके चलते आज दृष्टिहीन लोग भी ब्रेल लिपि का उपयोग कर पढ़-लिख रहे हैं और निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। वास्तव में, ब्रेल लिपि नेत्रहीनों को पढ़ने और लिखने में छूकर व्यवहार में लाई जाती है। वास्तव में, देखा जाए तो ब्रेल एक लिपि मात्र नहीं है, अपने आप में यह एक भाषा है, जिसका उपयोग दृष्टिबाधित लोग लिखने और पढ़ने के लिए करते हैं। लुईस ब्रेल ने ब्रेल लिपि का आविष्कार करके दृष्टि बाधित लोगों को शारीरिक कमी के बाद भी आत्मनिर्भर बनाने का काम किया और नेत्रहीन लोगों की जिंदगी में एक मसीहा बनकर उभरे। दूसरे शब्दों में कहें तो ब्रेल लिपि का आविष्कार करके लुईस ब्रेल दुनियाभर के दृष्टिबाधितों के मसीहा बन गए। हालांकि, जब तक वह जीवित थे, तब उनके काम(ब्रेल लिपि के आविष्कारक को) को सम्मान नहीं मिला, लेकिन बाद में विश्व ब्रेल दिवस की शुरुआत उनके ही जन्मदिन पर करके लुईस ब्रेल को सम्मान प्रदान किया गया। ब्रेल ने इस पद्धति(ब्रेल लिपि)का आविष्कार उन्होंने 1821 में किया था। वास्तव में यह लिपि अलग-अलग अक्षरों, संख्याओं और विराम चिह्नों को दर्शाती है। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी से यह पता चलता है कि ब्रेल के नेत्रहीन होने पर उनके पिता ने उन्हें पेरिस के रॉयल नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड चिल्ड्रेन में भर्ती करवा दिया था। उस स्कूल में वेलन्टीन होउ द्वारा बनाई गई लिपि से पढ़ाई करवाई जाती थी, लेकिन यह लिपि अधूरी थी। कहते हैं कि इस इंस्टीट्यूट में एक बार फ्रांस की सेना के एक अधिकारी कैप्टन चार्ल्स बार्बियर प्रशिक्षण देने के लिये आए और उन्होंने सैनिकों द्वारा अँधेरे में पढ़ी जाने वाली नाइट राइटिंग या सोनोग्राफी लिपि के बारे में एक व्याख्यान(लेक्चर) दिया।

मन का क्रिय

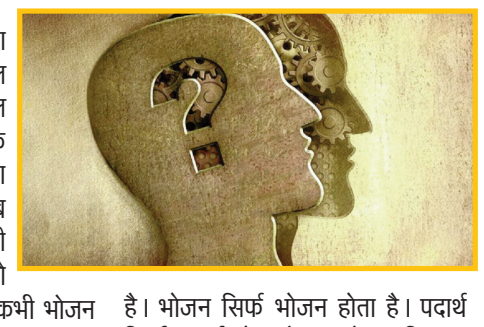

एक प्रोफेसर अपने कमरे में बैठे थे। उनके पास एक व्यक्ति आकर बोला, धन्यवाद, आप जैसा परिश्रमी और योग्य प्रोफेसर मैंने नहीं देखा। आपके परिश्रम से ही मेरा लड़का उत्तीर्ण हो सका है। सौ-सौ साधुवाद! इतने में दूसरा व्यक्ति आकर बोला, आप जैसा परिश्रम से जी चुराने वाला प्रोफेसर मैंने कहीं नहीं देखा। आपके कारण ही मेरा लड़का अनुत्तीर्ण हुआ। पहले व्यक्ति की बात सुनकर प्रोफेसर प्रसन्नता से झूम उठा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर वह विषण्ण हो गया। यह सारा खेल मन का है। एक घटना मन के अनुकूल थी तो प्रसन्नता का प्रवाह चल पड़ा। वहीं दूसरी घटना मन के प्रतिकूल थी तो विषण्णता का वातावरण बन गया। जब भोजन अच्छा बनता है तो पत्नी को उसके लिए सौ-सौ साधुवाद दिया जाता है। जब कभी भोजन स्वादिष्ट नहीं बनता या नहीं लगता तब परोसी हुई थाली को ठोकर भी मार दी जाती है। यह सारा मन का कार्य ही होता है। भोजन सिर्फ भोजन होता है। पदार्थ सिर्फ पदार्थ होता है। उसमें स्वादिष्ट या अस्वादिष्ट का आरोपण हम स्वयं करते हैं, हमारा मन करता है।

विचार मंथन

महाराष्ट्र मे सत्ता की राजनीति

(लेखक-सनत जैन)

सर्वशक्तिमान शरद पवार या गौतम अडानी?

महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले तीन दशक से विचारधारा के आधार पर कम सत्ता के लिये राजनीतिक दलों द्वारा राजनीति की जा रही है। सत्ता की इस राजनीति में पिछले 25 वर्षों में मराठा क्षत्रप शरद पवार की सत्ता आधारित राजनीति चर्चा में बनी हुई है। महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार केवल एक नेता भर नहीं हैं। शरद पवार यह अच्छी तरह से जानते हैं, सत्ता में कैसे बने रहना हैं। दशकों तक कांग्रेस नेता के रूप में महाराष्ट्र और केंद्र की सत्ता में बने रहे, बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच सत्ता में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिये विरोधाभासी रिश्तों को बनाना उनकी राजनीति की पहचान है। गौतम अडानी उनके राजनैतिक सफर में बड़े सहयोगी है। सवाल यह है, क्या शरद पवार विचारधारा के राजनेता हैं, या सत्ता को सर्वोपरि मानने वाले राजनीति के खिलाड़ी हैं? एनसीपी की स्थापना जिस विचारधारा के आधार पर हुई थी, विदेशी मूल के मुद्दे पर सोनिया गांधी का विरोध करके शरद पवार की पार्टी बनी। कुछ समय के बाद कांग्रेस के साथ सत्ता में साझेदार भी बन गये। यह बदलाव बताता है, राजनीति में सिद्धांत और विचारधारा के कोई मायने नहीं हैं। राजनीतिक दल सत्ता पाने के लिए समय और अवसर के अनुसार गिरगिट से भी ज्यादा तेजी के साथ रंग बदलने में माहिर हो गए हैं। 2004 से 2014 तक शरद पवार कांग्रेस के साथ मिलकर केंद्र की सत्ता में महत्वपूर्ण पदों पर काबिज होते रहे। महाराष्ट्र की सत्ता में समय-समय पर काबिज रहे। एनसीपी सरकार, फिर 2019 में महाविकास आघाड़ी, और 2023 में एनसीपी का विभाजन। हर मोड़ पर शरद पवार सत्ता की संभावनाओं के इर्द-गिर्द राजनीति में बने रहे हैं। शरद पवार का परिवार सत्ता के लिए यूपीए और एनपीए के साथ समय-समय पर अपनी निष्ठाएं बदलता रहा है।

अजीत पवार का बार-बार सत्ता के पाले को बदलाना और पारिवारिक विभाजन तथा 卐समझौते卐 के संकेत इस बात को रेखांकित करते हैं। एनसीपी का टकराव भी अंतत: समन्वय में बदल जाता है। कार्यकर्ता स्तर पर कटुता और संघर्ष होते हैं। शीर्ष नेतृत्व के रिश्ते टूटते नहीं हैं। यही कारण है, पिछले वर्षों में एनसीपी और परिवार में टूट-फूट के बाद फिर एक साथ आने की संभावना बन गई है। चाचा-भतीजे पुणे और अपने प्रभाव क्षेत्र बारामती में भाजपा के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। अजीत पवार महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बने हुए हैं। इस पूरे परिदृश्य में गौतम अडानी की भूमिका पिछले 10 वर्ष में महाराष्ट्र की राजनीति में काफी महत्वपूर्ण हो गई है। सत्ता के समीकरण में अब अडानी भी अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य भूमिका में आ गए हैं। मराठा छत्रपति शरद पवार का हाथ अडानी के सिर पर है, जिसके कारण महाराष्ट्र की राजनीति में वही होता है, जो शरद पवार और अडानी चाहते हैं। राजनीतिक दलों और राजनेताओं को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए पैसे की जरूरत होती है। चुनाव में कॉरपोरेट पूंजी पर सवाल उठते हैं। विपक्ष के राजनीतिक दलों को चंदे के लिए वही करना पड़ता है, जो पूंजीवादी व्यवस्था उनसे कराती है। शरद पवार का अडानी को मेंटर बताना और पारिवारिक स्तर पर निकटता, यह दर्शाती है। राजनीति में पूंजी और सत्ता के रिश्ते गहरे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में असली शक्ति जनादेश की है या आर्थिक आधार सत्ता पक्ष और विपक्ष की राजनीति को प्रभावित कर रहा है। शिवसेना के विभाजन में जहां स्थायी कड़वाहट शिवसेना के दोनों गुटों और भाजपा के बीच में दिखी, वहीं एनसीपी का लचीलापन सत्ता की निरंतरता शरद पवार और अजीत पवार के माध्यम से महाराष्ट्र में बनी हुई है। यही 卐आर्ट ऑफ स्टेइंग इन पावर卐 है। जहां विचारधारा का भावनात्मक दोहन कर कार्यकर्ताओं और आम जनता को बेवकूफ बनाया जाता है। राजनीति में नेताओं का मुख्य लक्ष्य सत्ता में बने रहने का होता है। इसमें जनता और कार्यकर्ताओं को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। जो निष्ठा और विचारधारा के नाम पर आपस में भिड़ते हैं। राजनीतिक दलों के नेता समय आने पर सत्ता के लिए समझौता करते और समय आने पर समझौते को तोड़ते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में दो सबसे बड़े महाबली शरद पवार और अडानी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में इन्हीं दोनों का दबदबा बना हुआ है। सत्ता में बने रहने के लिए महाराष्ट्र में राजनैतिक दल राजनीति कर रहे है। इस राजनीति में विचारधारा और पार्टी केवल सुविधा का उपकरण है। इस स्थिति में जनता को यह तय करना होगा, वह जिनको अपना प्रतिनिधि जिन्हे चुन रही है, वह उसके हितों का ध्यान रखेंगे या सत्ता के लिए उनके हितों को दांव पर लगा देंगे। मतदाताओं को तय करना होगा वह चुनाव में अपने लिए जवाबदेह जनप्रतिनिधि को चुने जो नैतिकता के आधार पर राजनीति करते हों। शासन व्यवस्था की जवाबदेही तय हो। महाराष्ट्र में नगरीय निकाय के चुनाव होने जा रहे हैं। विभिन्न विचारधाराओं के राजनीतिक दलों में नए-नए स

मझौते हो रहे हैं। नए-नए चुनावी समीकरण बन रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिसंबर 2025 में भारत का विनिर्माण सेक्टर दो साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । भारत का विनिर्माण क्षेत्र दिसंबर 2025 में धीमी वृद्धि के बीच दो साल के निचले स्तर पर आ गया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई 55 पर रिकॉर्ड किया गया, जबकि नवंबर 2025 में यह 56.6 था। 50 से ऊपर रहने के कारण क्षेत्र अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन वृद्धि की रफ्तार में कमी आई है। सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसायों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली, लेकिन नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि दर्ज हुई। कुल बिक्री में कमी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में मंदी रही। वहीं एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग बनी रही। विनिर्माण कंपनियों ने दिसंबर में रोजगार में मामूली वृद्धि की, हालांकि यह गति पिछले महीनों की तुलना में सबसे कम रही। परिचालन क्षमता पर दबाव में कमी आई, जिससे कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने की जगह मिली। महंगाई की दर दिसंबर में नौ महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। इससे कंपनियों को मांग के मोर्चे पर समर्थन मिला और प्रतिस्पर्धी कीमतें नए व्यवसाय लाने में मदद कर सकती हैं।

एनएचपीसी बांड के जरिए जुटाएगी 2,000 करोड़

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी ने चालू वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह राशि उसके उधार लेने की रणनीति का हिस्सा होगी। एनएचपीसी के अनुसार यह कोष एक या एक से अधिक किस्तों में **असुरक्षित, विमोचन योग्य, कर योग्य और संचयी बॉन्ड जारी करके जुटाया जाएगा। योजना निजी नियोजन के माध्यम से होगी, न कि सार्वजनिक शेयर बाजार से। कंपनी ने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने के लिए निदेशक मंडल की बैठक 8 जनवरी को होगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि बॉन्ड किस तरह और कितनी किस्तों में जारी किए जाएं।

एनटीपीसी सीसीटीई में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी अमेरिकी कंपनी क्लीन कोर थो रियम इनर्जी (सीसीटीई) में अल्पांश हिस्सेदारी लेने पर बातचीत कर रही है। बीएसई के सवाल के जवाब में कंपनी ने कहा कि वह लगातार देश और विदेश में निवेश के अवसर तलाशती रहती है। किसी भी निवेश का निर्णय पूरी जांच-पड़ताल और कानूनी, नियामक मंजूरी पर निर्भर होगा। कंपनी ने बातचीत से जुड़ी और जानकारी अभी साझा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार एनटीपीसी अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को आगे बढ़ाने और तकनीक व ईंधन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इसमें सीसीटीई में हिस्सेदारी खरीदना भी शामिल है।

आंध्र प्रदेश ने निवेश आकर्षण में बनाया नया रिकॉर्ड

- आंध्र प्रदेश ने वित्त वर्ष 2026 में 25 फीसदी से ज्यदा हिस्सेदारी हा सिल की

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में राष्ट्रीय निवेश प्रस्तावों का 25.3 फीसदी हिस्सा आंध्र प्रदेश ने हासिल किया। यह ओडिशा और महाराष्ट्र से काफी आगे है। राज्य ने इस प्रदर्शन से स्पष्ट कर दिया कि वह निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी केंद्र बन चुका है। देश में कुल 26.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 11.5 फीसदी अधिक हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र ने मिलकर कुल निवेश प्रस्तावों का 51.2 फीसदी हिस्सा हासिल किया। राज्य सरकार ने इस सफलता का श्रेय निवेशक-अनुकूल नीतियों, तेज़ निर्णय प्रक्रिया और मजबूत बुनियादी ढांचे को दिया। बंदरगाह, लॉजिस्टिक, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क के विकास ने बड़े उद्योग समूहों को आकर्षित किया। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य की बढ़ती हिस्सेदारी पूर्वी और दक्षिणी भारत में औद्योगिक निवेश के झुकाव को दर्शाती है और यह राष्ट्रीय आर्थिक विकास में राज्यों की बदलती भूमिका का संकेत है।

भारत के विमानन बेड़े में 2026 तक तेजी से बढ़ोतरी की संभावना

- भारतीय विमानन कंपनियां बेड़े में 55 नए विमान शामिल करेंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय विमानन उद्योग का बेड़ा 2025 में कुल 826 विमानों का था, जिसमें से 723 विमान परिचालन में थे। शेष 103 विमान स्पेयर पार्ट्स की कमी या एयर इंडिया जैसे अपग्रेडेशन और नवीनीकरण कारणों से परिचालन से बाहर थे। पिछले साल 79 विमान बेड़े में जोड़े गए, जबकि 44 विमानों को हटाया गया, जिससे 2025 में शुद्ध वृद्धि 35 विमानों की रही। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े में लगभग 50-55 नए विमान जोड़ सकती हैं। अगर उत्पादन और अनुमति की प्रक्रिया योजना अनुसार रही, तो साल के अंत तक कुल बेड़े की क्षमता 900 विमान तक पहुंच सकती है।

परिचालन से बाहर रहे विमानों को भी शामिल करने की संभावना है, जिससे परिचालन विमानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंडिगो के 49 विमानों में से आधे नए प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों के साथ उड़ान भर सकते हैं, जिससे बेड़े की क्षमता में सुधार होगा। एयर इंडिया के कुल विमानों की संख्या लगभग स्थिर रहने की संभावना है। 2026 में एयर इंडिया के पास 26 विमान होंगे, जिनमें से 20 नैरो-बॉडी वाले हैं। कुछ लीज पर लिए गए बोइंग 777 विमानों को वापस किया जा रहा है। वहीं अकासा एयर में वर्तमान में 31 विमान हैं और हर महीने 1-2 विमान जोड़ने की योजना है। 2027-28 तक एयर इंडिया और इंडिगो के बड़े पैमाने पर विमानों की डिलीवरी से भारत का बेड़ा 1000 विमानों के करीब पहुँच सकता है।

भारत के फास्ट-फूड सेक्टर का सबसे बड़ा मर्जर- देवयानी और सफायर फूड्स

देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयर के लिए 177 शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली । देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड और केएफसी-पिज्जा हट ऑपरेटर सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड का मर्जर फास्ट-फूड सेक्टर का अब तक का सबसे बड़ा समझा जा रहा है। इस डील के बाद दोनों कंपनियों के ऑपरेशन एकीकृत होंगे और भारत में सबसे बड़ा क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (ओएसआर) ऑपरेटर बनेगा। डील के तहत देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयर के लिए 177 शेयर जारी करेगी। इसके अलावा, आर्कटिक इंटरनेशनल सफायर के लगभग 18.5 फीसदी पेड-अप इक्विटी का अधिग्रहण करेगी। मर्जर को लागू करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज, सीसीआई, एनसीएलटी और शेयरधारकों एवं लेनदारों की मंजूरी जरूरी होगी। पूरी प्रक्रिया में लगभग 12-15 महीने लग सकते हैं। मर्जर की खबर के बाद देवयानी इंटरनेशनल के शेयरों में तेजी देखी गई। बीएसई में 156.90 रुपए से बढ़कर सत्र दौरान 159.45 रुपए तक पहुंचे। निवेशकों ने कंपनी के विकास और अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भरोसा जताया। भारत में घटती बिक्री और महंगाई के दबाव के बीच उपभोक्ता अब घर पर ऑर्डर करने की ओर ज्यादा झुकाव दिखा रहे हैं।

तांबा और एल्युमिनियम की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

- एल्युमिनियम अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन एवं तांबा 12,000 प्रति टन के पार

नई दिल्ली ।

2025 में सोना और चांदी की रैली के बाद अब इंडस्ट्रियल मेटल्स में भी तेजी देखने को मिल रही है। एल्युमिनियम की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन पार कर गई हैं, जो तीन साल में सबसे ऊँचा स्तर है। तांबा भी एलएमई पर यूएसडी 12,000 प्रति टन के पार पहुंच गया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में इन धातुओं में मॉन्स्टर रैली देखने को मिल सकती है। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। चीन में स्मेल्टिंग क्षमता पर कड़ी सीमाएं और यूरोप में बिजली की ऊंची लागत के कारण उत्पादन घटा है। इंडोनेशिया, चिली और कांगो में खनन दुर्घटनाओं और हड़तालों ने सप्लाई पर दबाव बढ़ाया है। वहीं निर्माण, रिन्यूएबल एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में मजबूत दीर्घकालिक मांग भी कीमतों को ऊपर ले जा रही है। ब्याज दरों में संभावित कटौती, कमजोर अमेरिकी डॉलर और चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदों ने निवेशकों की धारणा मजबूत की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, सप्लाई बाधाएं और वैश्विक निवेश 2026 की पहली छमाही तक तांबे की कीमतें ऊंची बनाए रख सकते हैं। इस तेजी का असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर भी दिखने लगा है। एयर कंडीशनर, किचन अप्लायंसेज़, बाथ फिटिंग्स और कुकवेयर जैसी तांबे पर निर्भर वस्तुएं महंगी होने की संभावना है। भारत में एमसीएक्स पर तांबा 1,300 प्रति किलो के करीब पहुंच गया है। कंपनियां बढ़ती लागत की भरपाई के लिए 5-8 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

बाजार में लगातार दूसरे हफ्ते भी जारी रही तेजी

- घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को समर्थन दिया

मुंबई ।

बीते सप्ताह मज़बूत ऑटो बिक्री के आंकड़ों और बेहतर अर्निंग आउटलुक को लेकर बने उत्साह के कारण, भू-राजनीतिक तनाव और एफआईआई की लगातार बिकवाली को नज़रअंदाज़ करते हुए, बाज़ार ने लगातार दूसरे हफ़्ते भी बढ़त जारी रखी। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक रही, जहां बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 22.24 अंक बढ़कर 85,063.69 पर खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 16 अंकों की तेजी के साथ 26,058.30 पर कारोबार शुरू हुआ। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 346 अंक गिरकर 84,695 पर बंद हुआ और निफ्टी 25,950 के स्तर के नीचे फिसल गया। इस दौरान भारतीय रुपया भी 89.97 के रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब कारोबार करता दिखाई दिया। मंगलवार को बाजार में गिरावट जारी रही। सेंसेक्स 209.32 अंक गिरकर 84,486.22 पर आ गया और निफ्टी 63.25 अंक फिसलकर 25,878.85 पर पहुंच गया। इसके बावजूद, बुधवार को पिछले दिनों की गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 254.38 अंक चढ़कर 84,929.46 पर पहुंच गया और निफ्टी 50 ने 89.15 अंकों की बढ़त के साथ 26,028 पर कारोबार किया। इस सुधार का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी और साल के अंत में पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग रही। गुरुवार को सेंसेक्स में मामूली गिरावट देखने को मिली और यह 85,188.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 26,146.55 पर स्थिर रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स ने 350 अंकों के उतार-चढ़ाव के साथ 85,101.52 और 85,451.70 के

स्तर को छुआ। शुक्रवार को बाजार ने नए इतिहास की ओर कदम बढ़ाया। ब्लू-चिप रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी और घरेलू निवेशकों की खरीदारी के कारण सेंसेक्स 573.41 अंक उछलकर 85,762.01 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर बंद हुआ और इंट्रा-डे में 26,340 का नया रिकॉर्ड बनाया।

निजी बैंक बने पेंशन फंड मैनेजर, एनपीएस निवेशकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे

नई दिल्ली।

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के एक अहम फैसले से भारत के रिटायरमेंट बचत सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद की जा रही है। नए नियमों के तहत अब शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक अपने स्तर पर पेंशन फंड स्थापित कर सकेंगे। हालांकि, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के मौजूदा नियमों, ढांचे और निवेश सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीएफआरडीए ने साफ किया है कि एनपीएस की संरचना पहले की तरह ही रहेगी। टैक्स लाभ, निवेश नियम, निकासी प्रक्रिया और नियामकीय निगरानी में कोई बदलाव नहीं होगा। यह फैसला केवल पेंशन फंड मैनेजमेंट में बैंकों की भागीदारी से जुड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकों की सीधी भागीदारी से निवेशकों को अधिक विकल्प मिलेंगे। कर्मा मैनेजमेंट ग्लोबल कंसल्टिंग सॉल्यूशंस के अनुसार, एनपीएस का प्रोडक्ट तुरंत नहीं बदलेगा, लेकिन निवेशकों का अनुभव जरूर बेहतर होगा। बैंकों का बड़ा नेटवर्क और मजबूत डिजिटल सिस्टम, खासकर गैर-मेट्रो और ग्रामीण क्षेत्रों में, एनपीएस तक पहुंच को आसान बनाएगा। निवेशकों का भरोसा अहम भूमिका निभाएगा। जिन बैंकों से लोगों का पहले से संबंध है, उन्हीं से जुड़े पेंशन फंड मैनेजर चुनने का विकल्प निवेशकों को मिलेगा। इससे नामांकन और योगदान प्रबंधन की प्रक्रिया सरल होगी।

सेबी ने आठ कंपनियों के आईपीओ को दी मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय बाजार नियामक सेबी ने आठ कंपनियों को आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। आईपीओ की मंजूरी उन कंपनियों को मिली जिन्होंने जुलाई से अक्टूबर के बीच अपने प्रारंभिक दस्तावेज जमा किए थे। नियामक की टिप्पणियां 26 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच आईं, जो सेबी की भाषा में आईपीओ मंजूरी के समान मानी जाती हैं। नियामक मंजूरी प्राप्त करने वाली अन्य कंपनियों में श्रीराम फूड इंडस्ट्री, वडोदरा स्थित टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड, इंदिरा आईवीएफ और रे ऑफ बिलीफ लिमिटेड शामिल हैं।ये कंपनियां अब सार्वजनिक निवेशकों से पूंजी जुटा सकती हैं। सेबी की टिप्पणियां आईपीओ प्रक्रिया का अहम हिस्सा हैं और इससे निवेशकों को कंपनियों की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिति की जानकारी मिलती है।

2026 की ओर आत्मविश्वास और साहस के साथ आगे बढ़ेगा महिंद्रा समूहः शाह

- समूह के मूल्यों से जुड़ा रहना बेहद जरूरी

नई दिल्ली ।

महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक अनिश शाह ने कर्मचारियों को नए वर्ष का संदेश देते हुए कहा कि समूह 2026 की ओर आत्मविश्वास, सहयोगपूर्ण सोच, चुस्ती और साहस के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे बड़ा सोचें, कम प्राथमिकताओं पर ध्यान दें और उनका उत्कृष्ट क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शाह ने कहा कि आगे बढ़ते हुए भी समूह के मूल्यों से जुड़ा रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने लिखा कि एक टीम के रूप में काम करते हुए ही समूह अपने उद्देश्य को साकार कर सकता है और पूरी क्षमता हासिल कर सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से इस यात्रा का आनंद लेने का भी आग्रह किया। समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा द्वारा दिए गए बरगद के पेड़ के उदाहरण का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि यह पेड़ पोषण करता है, जीवन को छूता है और मूल्य सृजित करता है। महिंद्रा समूह भी इसी तरह समय के साथ ऊंचाइयों तक पहुंचा है और आगे भी बढ़ता रहेगा।वर्ष 2025 की समीक्षा करते हुए शाह ने कहा कि समूह ने अभूतपूर्व अनिश्चितताओं का सामना किया, लेकिन कर्मचारियों के सहयोग और प्रतिबद्धता से संगठन सही दिशा में बना रहा।

एप्पल ने पांच एंकर वेंडर्स के साथ किया बड़ा समझौता

- 30,537 करोड़ का किया निवेश, हजारों रोजगार के अवसर

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए एप्पल इंक ने पांच प्रमुख कंपनियों को एंकर वेंडर के रूप में चुना है। ये कंपनियां मिलकर लगभग 30,537 करोड़ का निवेश करेंगी।

इस पहल का उद्देश्य न केवल भारत में एप्पल की सप्लाई चेन को सशक्त बनाना है, बल्कि देश को वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना भी है। यह निवेश केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेंट मैन्युफैक्चे रिंग स्कीम (ईसीएमएस) के अंतर्गत मंजूर किया गया है, जिसके तहत योग्य कंपनियों को निवेश पर प्रोत्साहन दिया जाता है।

इस वर्ष ईसीएमएस के तहत कुल 41,863 करोड़ के निवेश को मंजूरी दी गई है, जिसमें से करीब 73 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं पांच कंपनियों का है। इन परियोजनाओं से 27,614 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके अलावा, सप्लाई चेन और सहायक उद्योगों के माध्यम से बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष नौकरियां भी पैदा होंगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सरकार ने 7,295 करोड़ रुपए के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की

- एमएसएमई निर्यातकों के लिए सस्ता ऋण और बेहतर गारंटी व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सरकार ने छोटे और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों को राहत देने के उद्देश्य से 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज का मकसद निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को आसान बनाना और वैश्विक व्यापार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी कार्यशील पूंजी की समस्याओं को कम करना है। यह पैकेज वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक छह वर्षों के लिए लागू रहेगा। पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना का है।

इसके तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद लिए गए ऋण पर 2.75 प्रतिशत तक ब्याज में रियायत मिलेगी। उभरते और कम प्रतिनिधित्व वाले बाजारों में निर्यात करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रति फर्म वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। शुरुआत में सरकार 830 करोड़ रुपये का बकाया चुकाएगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता देने का भी फैसला किया है। इससे छोटे निर्यातकों को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में आसानी होगी। चालू वित्त वर्ष में सरकार को दोनों योजनाओं पर 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह योजना पहले लागू ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) का नया संस्करण है, जिसे 31 दिसंबर 2024 के बाद बंद कर दिया गया था। नई योजना मुख्य रूप से छोटे और पहली बार निर्यात करने वाले निर्यातकों पर केंद्रित होगी।

सरकार ने 22 कंपनियों के 41,863 करोड़ निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

- योजना के तहत 46 कंपनियों को मंजूरी मिल चुकी है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नई कंपनियों के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनका कुल निवेश 41,863 करोड़ रुपए है। अब तक इस योजना के तहत 46 कंपनियों को मंजूरी मिल चुकी है, जिससे कुल निवेश 54,567 करोड़ रुपए हो जाएगा। मंजूरी पाने वाली कंपनियों में टीडीके इंडिया, बीपीएल, विप्रो हाइड्रोलिक्स, मदरसन इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉक्सकॉन, सैमसंग डिस्प्ले, डिक्सन और हिंडाल्को शामिल हैं। ये कंपनियां कैपेसिटर, लीथियम-आयन सेल, कॉपर-क्लैड लैमिनेट, एन्क्लोज़र, एनोड मटीरियल, कनेक्टर, डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल बनाएंगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी कंपनियों को अपनी डिज़ाइन टीम बनाने और शैक्षिक संस्थानों के साथ मानक डिज़ाइन सुविधा विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने छह हफ़्ते में ठोस योजना तैयार करने और सिक्स सिग्मा स्टैंडर्ड्स का पालन करने का निर्देश दिया, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता विश्व स्तर की हो। इस पहल का लक्ष्य भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देना और छोटे-मझोले उद्योगों को डिज़ाइन तकनीक का लाभ पहुंचाना है।

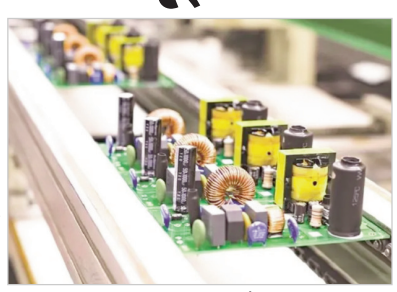

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शुभमन करेंगे कप्तानी

-श्रेयस को उपकप्तान बनाया गया, सिराज की टीम में वापसी

-बुमराह और हार्दिक को आराम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम की कप्तानी बल्लेबाज शुभमन गिल करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है। बोर्ड ने हालांकि कहा कि श्रेयस के खेलने पर अंतिम फैसला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की फिटनेस रिपोर्ट के बाद लिया जाएगा। इस साल की इस पहली सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी टीम में बनाये रखा गया है। रोहित और विराट ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे दोनो पर चयनसमिति का भरोसा बना हुआ है। वहीं टीम में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज जसप्रीत बुमराह को शामिल नहीं करते हुए आराम दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मी सिराज की वापसी हुई है।

सिराज ने पिछले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए आराम दिया गया था। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। सिराज के अलावा बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में जगह मिली है। स्पिनर के तौर पर चाइनामैच कुलदीप यादव को रखा गया है। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और भी रहेंगे जो कुलदीप की स्पिन गेंदबाजी में सहायता करेंगे। टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी अवसर दिया गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इस बार भी उपेक्षा हुई है।

एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इसका पहला मैच वडोदरा में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को राजकोट में होगा जबकि तीसरे मुकाबले में 18 जनवरी को दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलती नजर आएंगी।

टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल।

वैभव अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी बने

-पाक के अहमद शहजाद को पीछे छोड़ा

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंडर-19 यूथ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मुकाबले में उतरने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। 14 साल के वैभव अब किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम था। शहजाद ने 15 साल 141 दिन की उम्र में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। यह पहली बार था जब वैभव ने किसी भी स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की है। वैभव हालांकि इस मैच में अपने बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाये और 12 गेंदों में केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। वैभव का बल्ला भले ही न चला हो, लेकिन मैच में उतरते ही वैभव ने इतिहास रच दिया।

वैभव को नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे के चोटिल होकर बाहर होने के बाद कप्तानी सौंपी गई गयी थी। आयुष के 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप से टीम में वापसी की उम्मीद है। अब वैभव 16 साल की उम्र से पहले किसी भी अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का वह रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2007 से कायम था।

वहीं वैभव अब उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेहद कम उम्र में कप्तानी की है। इस सूची में मेहदी हसन मिराज, फरहान जाखिल, एम्बिशस मुदुमा और साद बैग जैसे नाम शामिल हैं। दुनिया भर में अब तक केवल पांच खिलाड़ियों ने ही 16 साल से पहले यूथ अंतरराष्ट्रीय में अपनी टीम की कप्तानी की है।

जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, रजा होंगे कप्तान

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को भी शामिल किया गया है। विश्वकप के लिए जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खेली गयी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बेनेट का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 49, 49 और 47 रन बनाये थे इसका भी उन्हें चयन में लाभ मिला है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम एक शतक और नौ अर्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 52 मैचों में 145 से अधिक रहा है वहीं टीम में तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा के अलावा स्पिनर ग्रीम क्रेमर रहेंगे। स्पिनर ग्रीम क्रेमर की सात साल के बाद टीम में वापसी हुई है। ब्रेंडन टेलर भी टीम में शामिली हैं। जिम्बाब्वे को विश्वकप के लिए ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है।

टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैडली इवांस, क्लाइव मैडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, ब्रेंडन टेलर।

विराट की नजर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन रिकार्डों पर रहेंगी

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसकों को उनसे इस साल भी आईपील के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर कई रिकार्ड अपने नाम करने की उम्मीद है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीबी) की ओर से खेलते हुए विराट के पास इस बार आईपीएल में अपने 300 छक्के पूरे करने का अवसर है। आईपीएल में अभी उनके नाम 291 छक्के दर्ज हैं और ऐसे में उन्हें 300 छक्कों तक पहुंचने के लिए केवल 9 छक्के चाहिये। इसी के साथ ही वह क्रिस गेल और रोहित शर्मा की तरह 300 छक्के लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं विराट को आईपीएल में अपने 9000 रनों को पूरा करने के लिए सिर्फ 339 रनों की जरूरत है। उन्होंने अभी तक 259 पारियों में 8,661 रन बनाये हैं और 9,000 रन पूरे करने के लिए उन्हें केवल 339 रनों की जरूरत है। इस आंकड़े तक पहुंचते ही वह आईपीएल इतिहास में इस 9000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज़ बन जाएंगे। विराट आईपीएल में शुरुआत से ही आरसीबी से खेलते आये हैं। वहीं उनके अभी आईपीएल में 145 अर्धशतक हैं। ऐसे में उन्हें 150 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल 5 और अर्धशतक चाहियेहै। अगर विराट इसमें सफल रहते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के बाद इतने अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।एकदिवसीय प्रारुप की बात अभी विराट के नाम 296 पारियों में 14,557 रन हैं। ऐसे में 15,000 रन पूरे करने के लिए उन्हें 443 रनों की और जरूरत है। उनके फार्म देखते हुए ये तय है कि वह ये रन बना लेंगे। ऐसा करते ही वह 15000 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जायेंगे। अभी ये रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है।

तबियत खराब होने के कारण शुभमन विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले में नहीं उतरे

जयपुर । स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी में यहां पंजाब और सिक्किम के बीच हुए मैच में खेलने की उम्मीदें जतायी जा रहीं थीं पर तबियत ठीक नहीं होने के कारण वह नहीं उतर पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को फूड पॉइजनिंग हुई है, इस कारण उन्हें मेडिकल टीम ने आराम करने को कहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज को देखते हुए भी प्रबंधन उनको लेकर जोखिम नहीं लेना चाहता है। वह सीरीज से पहले लय हासिल करने के लिए इस मैच में उतरे रहे थे। पंजाब और सिक्किम के बीच इस मैच में दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं दी गयी है। जयपुरिया विद्यालय के अंदर बने मैदान में दर्शकों के बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि, खिलाड़ियों के चेंजिंग रूम के ऊपर एक छोटी गैलरी है पर यह केवल भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रतिनिधियों, स्कूल और एकेडमी के छात्रों के लिए है। मैच का टीवी पर प्रसारण नहीं हो रहा और ना ही लाइव स्ट्रीम उपलब्ध है। वहीं कई स्टार क्रिकेटरों की उपस्थिति से विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट की रौनक बढ़ गयी है। इस ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली से लेकर रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। बीसीसीआई ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसी कारण एक दशक से अधिक समय के बाद रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी इसमें खेलते दिख रहे हैं।

आईसीसी टूर्नामेंट की बढ़ती संख्या और बेमेल मुकाबलों से खेल का रोमांच घट रहा : अश्विन

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि टूर्नामेंटों की बढ़ती संख्या और एकदरफा मैचों से खेल का रोमांच कम हो रहा है। साथ ही कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में कोई मैच देखने नहीं आयेगा। अश्विन के अनुसार आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमों के स्तर में बढ़ते अंतर के कारण ऐसे मैच हो रहे है जिससें रोमांच नहीं रहा है।

टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों में एकतरफा मैचों की संख्या लगातार बढ़ रही है अगर ऐसा होता रहा तो एक समय लोग स्टेडयम आना बंद कर देंगे। इस स्पिनर ने कहा, इस बार टी20 विश्वकप में भारत और अमेरिका, भारत और नामीबिया जैसे मैचों को शायद ही कोई देखने आये। इस प्रकार के मैच खेल का आनंद कम कर देते हैं। विश्व कप पहले हर चार साल में एक बार होता था। इसी वजह से लोगों का आकर्षण बना रहता था। भारतीय टीम तब पहले दौर में इंग्लैंड या श्रीलंका से खेलती थी और मैच में रोमांच रहता था। साल 2026 पुरुष टी20 विश्व कप में 20 टीमें भाग लेंगी और यह 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारतीय टीम पिछली विजेता होने के कारण इसमें अपने खिताब का बचाव करेगी।

दानिल मेदवेदेव की निगाह ब्रिस्बेन में खिताब जीतने पर

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव, टॉमी पॉल और जोआओ फोनसेका उन सितारों में से हैं जो इस आने वाले सप्ताह में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में 2026 सीजन की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जहां शनिवार को ड्रॉ निकाला गया। टॉप सीड मेदवेदेव 2019 में फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार ब्रिस्बेन में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और अपने पहले मैच में मार्टन फुक्सोविक्स का सामना करेंगे। विजेता फ्रांसिस टियाफो या ऑस्ट्रेलियाई वाइल्ड कार्ड अलेक्जेंडर वुकिच से भिड़ेगा।

पॉल ने पैर की चोट के कारण यूएस ओपन के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है, लेकिन बड़े-सर्विस वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेट्शी पेरिकार्ड के खिलाफ वापसी करेंगे। पॉल दूसरे सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के समान हाफ में हैं, जो ब्रैंडन नाकाशिमा के खिलाफ शुरुआत करेंगे। डेविडोविच फोकिना एटीपी रैंकिंग में टॉप 20 में एकमात्र खिलाड़ी हैं जिनके पास टूर-लेवल का खिताब नहीं है, उन्होंने पिछले सीजन में चार फाइनल में जगह बनाई थी। वह एटीपी 250 के इस टूर्नामेंट में इस रिकॉर्ड को बदलने की कोशिश करेंगे।

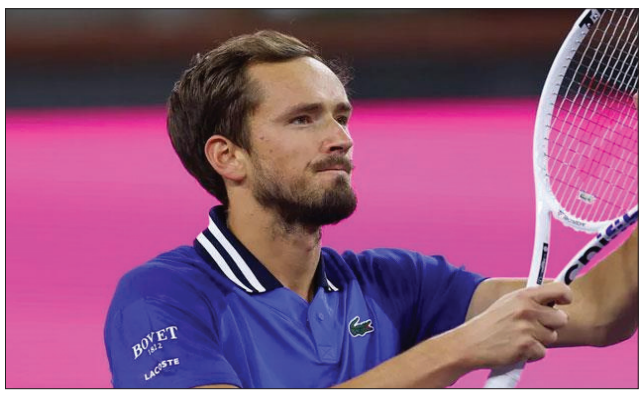

जोआओ फोनसेका अपने करियर के उच्चतम नंबर 24 पर अपने सीजन की शुरुआत करेंगे और पहले दौर में अमेरिकी रेली ओपेल्का के साथ खेलेंगे। ओपेल्का पिछले साल ब्रिस्बेन में फाइनल में पहुंचे थे, जहाँ वे डिफेंडिंग चैंपियन जिरी लेहेका से हार गए थे। तीसरे सीड लेहेका टॉमस माचाक के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा शुरू करेंगे। नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल के चैंपियन लर्नर टिएन पहले दौर में कैमिलो उगो कैराबेलि का सामना करते हुए अपने प्रभावशाली फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे। 20 वर्षीय अमेरिकी दूसरे दौर में अपने अच्छे दोस्त एलेक्स मिशेलसेन के साथ खेल सकते हैं।

ग्रिगोर दिमित्रोव नवंबर में पेरिस में टूर में लौटे और ब्रिस्बेन में अपनी वापसी जारी रखेंगे, जहाँ वे पहले दौर में एक क्वालिफायर के साथ खेलेंगे। बैंक ऑफ चाइना हांगकांग टेनिस ओपन में, लोरेंजो मुसेटी टॉप सीड हैं और शनिवार के ड्रॉ के बाद दूसरे राउंड में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एटचेवेरी या वैलेंटीन रॉयिअर से होगा। वर्ल्ड नंबर 8 एटीपी 250 में लगातार तीसरी बार खेल रहे हैं।

दूसरे सीड अलेक्जेंडर बुब्लिक का मुकाबला बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचल्प या किसी क्वालिफायर से होगा, जबकि 2024 के चैंपियन आंद्रेई रुब्लेव का सामना वू यिबिंग या फैबियन मारोज़सन से होगा।नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार रेई साकामोटो पांचवें सीड लोरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे, जबकि 20 साल के चीनी लेफ्टी शांग जुनचेंग फ्रांसिस्को कोमेसाना के साथ खेलेंगे। घरेलू पसंदीदा कोलमैन वोंग का मुकाबला मारियानो नावोन से होगा। शांग पिछले सीजन में हांगकांग में सेमीफ़ाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन चोटों के कारण उनका साल खराब हो गया। वोंग का 2025 में सबसे अच्छा प्रदर्शन यूएस ओपन में रहा, जहाँ वह तीसरे राउंड तक पहुंचे थे।

नीरज चोपड़ा की पीठ की चोट को लेकर बड़ा अपडेट : आगामी टूर्नामेंट पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस समय अपनी पीठ की चोट से उबरने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने शनिवार को बताया कि नीरज ने अभी यह तय नहीं किया है कि वह इस सत्र की शुरुआत कब और कहां से करेंगे। एएफआई के अनुसार, फिलहाल उनके लिए सीजन ओपनर से ज्यादा जरूरी चोट से पूरी तरह उबरना है।

विश्व चैंपियनशिप के बावजूद दिखाया जज्बा- नीरज चोपड़ा को सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से ठीक पहले पीठ में चोट लगी थी। इसके बावजूद उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन उनके मई 2025 में बनाए गए 90.23 मीटर के व्यक्तिगत और सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से काफी कम था। एएफआई प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा कि नीरज ने दो चोटों के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में खेलने का फैसला किया और कभी अपनी परेशानी का बहाना नहीं बनाया।

एएफआई ने की नीरज के रवैये की तारीफ- पूर्व एएफआई अध्यक्ष सुमरिवाला ने नीरज की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने चोट और सूजन के बावजूद देश के लिए खेलने का जज्बा दिखाया। उनके मुताबिक, नीरज जैसे खिलाड़ी बहुत कम होते हैं, जो बिना किसी शिकायत के मैदान में उतरते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं।

सीजन की शुरुआत और निजी जीवन- पिछले कुछ वर्षों में नीरज ने आमतौर पर अप्रैल या मई में अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत की है। हाल ही में उन्होंने अपने गृह राज्य में हुए रिसेप्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। नीरज ने 2025 की शुरुआत में पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर से निजी समारोह में विवाह किया था।

डोप टेस्टिंग पूल में सिर्फ दो भारतीय- विश्व एथलेटिक्स की एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट (AIU) की ताजा रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल सूची में नीरज चोपड़ा और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ही शामिल हैं। सुमरिवाला ने बताया कि AIU स्वतंत्र संस्था है और जिन खिलाड़ियों के बड़े टूर्नामेंटों के लिए क्वालीफाई करने की संभावना होती है, उन पर निगरानी बढ़ाई जाती है। 2025 टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में सचिन यादव ने नीरज से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया था।

एशियन गेम्स के लिए चयन नियम और नीरज को छूट- एएफआई ने इस साल जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाइंग मानक भी जारी किए हैं। सामान्य तौर पर खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय या एएफआई द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, सुमरिवाला ने संकेत दिए कि नीरज चोपड़ा को पहले की तरह घरेलू प्रतियोगिताओं से छूट मिल सकती है, क्योंकि वह डायमंड लीग जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। अंतिम फैसला चयन समिति के हाथ में होगा।

भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर पहुंचेगी : बीसीबी

ढाका। बांग्लादेश में जारी उथल-पुथल के बीच ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि भारतीय टीम अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगी। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने कहा, बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे अब 28 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत ही मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे। वहीं टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। वहीं बीसीबी ने साल 2026 सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें तीनों प्रारुपों में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज रखी गयी हैं। कार्यक्रम के तहत ही पाकिस्तान 9 मार्च को तीन एकदिवसीय मैचों के दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा। वहीं अप्रैल-मई में न्यूजीलैंड का बांग्लादेश का दौरा तीन एकदिवसीय के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे। इसके बाद पाक पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आयेगी। पहला टेस्ट मैच 8-12 मई तक और दूसरा 16-20 मई तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश दौरा 5 जून को तीन एकदिवसीय के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15-20 जून के बीच खेली जाएगी। भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा।

बीसीसीआई के सख्त निर्देश पर केकेआर का बड़ा फैसला, आईपीएल 2026 टीम से बाहर हुए मुस्तफिजुर रहमान

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को पुष्टि की कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) के निर्देश के बाद उसने बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से बाहर कर दिया है। केकेआर द्वारा जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि आईपीएल के नियामक बीसीसीआई/आईपीएल ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से मुक्त करने का निर्देश दिया है।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर उचित प्रक्रिया और परामर्श के बाद यह कार्रवाई की गई है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई आईपीएल नियमों के अनुसार कोलकाता नाइट राइडर्स को एक प्रतिस्थापन खिलाड़ी उपलब्ध कराएगा, और आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी। यह बयान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है।

देवजीत सैकिया ने एएनआई को बताया, 'हाल ही में देश भर में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी केकेआर को बांग्लादेश के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है और बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि अगर वे किसी प्रतिस्थापन का अनुरोध करते हैं, तो बीसीसीआई उस प्रतिस्थापन की अनुमति देगा।'

गौरतलब है कि बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से राजनीतिक विरोध शुरू हो गया है, खासकर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को हाल ही में निशाना बनाए जाने के मद्देनजर, और आईपीएल 2026 सीजन के लिए केकेआर द्वारा मुस्तफिजुर के चयन पर विभिन्न राय सामने आई हैं। मुस्तफिजुर को पिछले साल दिसंबर में आईपीएल नीलामी में कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बैंक में फलस्तीनी घरों पर चला बुलडोजर, लोग बेघर

येरूशलम, एजेंसी। वेस्ट बैंक के नूर शम्स शरणार्थी शिविर में बुधवार को फलस्तीनी अपने घरों को इस्राइली बुलडोजरों से टूटते हुए देखते रहे। यह कार्रवाई इस्राइली सेना की उस मुहिम का हिस्सा है, जो करीब एक साल से उत्तरी वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में चल रही है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, इस अभियान के दौरान नूर शम्स, जेनिन और तुलकरम शिविरों में अब तक 850 से ज्यादा इमारतें पूरी तरह ढहाई जा चुकी हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है और वे रिश्तेदारों के यहां या किराये के मकानों में रहने को मजबूर हैं। सेना ने वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में कई घरों को गिरा दिया। बुलडोजर कार्रवाई के चलते हजारों फलस्तीनी परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। लोग इस कार्रवाई को दर्दनाक और अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। इस्राइल का कहना है कि यह कार्रवाई हथियारबंद समूहों के खिलाफ है और सेना के रास्ते साफ करने के लिए घर तोड़े जा रहे हैं। हालांकि स्थानीय लोग इसे घरों और यादों के उजड़ने का दर्द बता रहे हैं।

भारत-ब्राजील के संबंधों में जुड़ेगा नया अध्याय फरवरी में आएंगे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला

ब्राजिलिया, एजेंसी। भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा फरवरी के दूसरे सप्ताह में नई दिल्ली की महत्वपूर्ण यात्रा पर आ रहे। सबसे खास बात है कि लूला के साथ ब्राजील का अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल आएगा, जो एशिया में ब्राजील की बढ़ती दिलचस्पी का स्पष्ट संकेत है। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 1.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। ब्राजील के उद्योगपतियों के लिए भारत ड्रीम मार्केट बन चुका है। इस दौरे का मुख्य फोकस उर्वरक, कृषि तकनीक, दलहन, कपास और पोल्ट्री जैसे क्षेत्रों पर रहेगा। ब्राजील को भारत में न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार दिखता है, बल्कि उच्च तकनीक और निवेश के नए अवसर भी नजर आ रहे हैं। व्यापार से इतर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला के बीच संस्कृति, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। मर्कोसुर-भारत व्यापार समझौते के विस्तार पर भी काम चल रहा है, जो न केवल टैरिफ कम करेगा बल्कि व्यापार की अन्य बाधाओं को भी दूर करेगा। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

अमेरिका : गलत सजा काट रहे शख्स को मिली माफी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य में एक व्यक्ति को उसकी सजा अवैध पाए जाने के बाद राज्यपाल ने माफी दे दी है। यह फैसला उसके भाई को इसी तरह की राहत मिलने के कुछ हफ्तों बाद आया। मॉरिस टेलर को तय कानून से कहीं ज्यादा सजा दी गई थी। राज्यपाल टेट रीव्स ने कहा कि कानून के मुताबिक यह सजा गलत थी और न्याय के हित में उसे रिहा किया जा रहा है। आदेश के अनुसार मॉरिस टेलर को पांच दिन के भीतर जेल से छोड़ा जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि अगर किसी एक व्यक्ति के साथ भी अन्याय होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

सीरिया : नए साल की पूर्व संध्या पर आत्मघाती हमला, एक पुलिसकर्मी की मौत

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में नए साल की पूर्व संध्या पर हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया के अनुसार, आंतरिक सुरक्षा बलों की एक टीम बाब अल-फराज इलाके में संदिग्ध को पकड़ने की कोशिश कर रही थी, तभी उसने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। अलेप्पो के गवर्नर ने बताया कि पुलिसकर्मी नए साल के जश्न की सुरक्षा में तैनात थे। एक अधिकारी ने हमलावर को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसी दौरान विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं। आशंका जताई जा रही है कि हमलावर एक ईसाई बहुल इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था।

थाईलैंड ने 18 कंबोडियाई युद्धबंदियों को किया रिहा

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड ने बुधवार को कंबोडिया के 18 युद्धबंदियों को रिहा कर दिया। यह कदम दोनों देशों के बीच सीमा पर जारी खूनी संघर्ष को खत्म करने के लिए हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत उठाया गया है। इन सैनिकों को चंतबुरी और पैलिन प्रांत के बीच स्थित सीमा चौकी पर रिहा किया गया। थाई विदेश मंत्रालय ने इसे विश्वास बहाली और मानवीय सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है। वहीं, कंबोडिया ने कहा कि इस कदम से शांति और स्थिरता का माहौल बनेगा।

भारतवंशी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं।

ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है।

दूसरी बार शपथ में अपने दादा-दादी की कुरान का इस्तेमाल करेंगे

: दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में ममदानी अपने दादा और दादी, दोनों की कुरानों का इस्तेमाल करेंगे। इन कुरानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। शपथ ग्रहण के लिए कुरान का चयन ममदानी की पत्नी रमा दुवाजी ने किया है। इस काम में उनकी मदद करने वाली एक स्कॉलर के अनुसार, शपथ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कुरान शहर की बड़ी और लंबे समय से मौजूद मुस्लिम आबादी को दर्शाता है।

बता दें कि चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साथ ही उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास भी खुलकर सामने रखे। उन्होंने शहर के मस्जिदों का दौरा किया और पहली बार मतदान करने वाले कई दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल किया।

शपथ में इस्तेमाल होने वाली कुरान का इतिहास : शॉम्बर्ग सेंटर में मौजूद पॉकेट साइज कुरान अश्वेत प्यूर्टो रिकन इतिहासकार आर्तुरो शॉम्बर्ग के संग्रह का हिस्सा थी। यह स्पष्ट नहीं है कि यह कुरान ममदानी के पास कैसे पहुंची, लेकिन स्कॉलर्स का मानना है कि यह अमेरिका और अफ्रीका में इस्लाम और अश्वेत संस्कृतियों के ऐतिहासिक संबंधों में उनकी रुचि को दर्शाती है। यह कुरान सादे डिजाइन की है। कुरान पर गहरे लाल रंग की जिल्द लगी है और फूलों की आकृति बनी है। अंदर काले-लाल स्याही में लिखा गया है। इससे पता चलता है कि इसे सिर्फ प्रदर्शनी के लिए नहीं, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बनाया गया था। चूंकि कुरान पर तारीख या लेखक का नाम नहीं है, इसलिए इसकी उम्र का अनुमान इसके लेखन और जिल्द के आधार पर लगाया गया। माना जाता है कि यह उस्मानी दौर में, 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में तैयार हुई, उस क्षेत्र में जो आज के सीरिया, लेबनान, इजराइल, फिलिस्तीनी इलाके और जॉर्डन में शामिल है। न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी की क्यूरेटर हिबा आबिद के अनुसार, इस कुरान की न्यूयॉर्क तक की यात्रा ममदानी के बैकग्राउंड से मेल खाती है। ममदानी भारतीय मूल के न्यूयॉर्कवासी हैं, जिनका जन्म युगांडा में हुआ, जबकि उनकी पत्नी अमेरिकी-सीरियाई हैं।

4 नवंबर 2025: ममदानी ने न्यूयॉर्क मेयर चुनाव जीतकर इतिहास रचा : ममदानी ने 4 नवंबर को न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली भारतीय मूल की मीरा नायर के बेटे हैं। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया था।

वॉरेन बफेट रिटायर: 60 साल बाद एक युग का अंत

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे सफल एवं ताकतवर निवेशकों में शुमार और मार्केट गुरु वॉरेफ बफेट ने 60 साल बाद अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे के सीईओ पद से हटने की घोषणा कर चौंका दिया।?बुधवार बतौर बर्कशायर हैथवे सीईओ उनका आखिर दिन था। ओरेकल ऑफ ओमाहा के नाम से विख्यात 95 वर्षीय बफेट के रिटायर होने के साथ?ही अमेरिकी पूंजीवाद को खड़ा करने वाले एक ऐतिहासिक युग का अंत हो गया।

दिलचस्प बात यह है कि अमीरों की सूची में लंबे समय तक शीर्ष में बने रहने वाले बफेट ने कोई भी बड़ा उद्योग खड़ा नहीं किया, बल्कि अपनी परख के दम पर सिर्फ कंपनियों में निवेश कर दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल किया। आज बर्कशायर हैथवे के पास सैकड़ों कंपनियां हैं। इनमें इंश्योरेंस कंपनी गीको, बैटरी बनाने वाली कंपनी ड्यूरासेल और रेस्टोरेंट चेन डेयरी क्वीन शामिल हैं।

कभी पैसा न खोएं: इसका अर्थ है जोखिम प्रबंधन। निवेश करने से पहले यह देखें कि नीचे गिरने की आशंका कितनी है।?अगर मूलधन सुरक्षित है, तो मुनाफा अपने आप आएगा।

सर्कल ऑफ कॉम्पिटेंस में रहें: बफेट कहते हैं कि आपको हर चीज का विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं है। बस यह पता होना चाहिए कि आप क्या जानते हैं और क्या नहीं। उन्हीं व्यवसायों में निवेश करें, जिन्हें

आप समझते हैं।

लंबी अवधि के लिए निवेश करें: बफेट मानते हैं कि अगर आप किसी स्टॉक को 10 साल तक रखने को तैयार नहीं हैं, तो उसे 10 मिनट के लिए भी न खरीदें। कंपाउंडिंग की ताकत पर भरोसा करें। धन धीरे-धीरे बढ़ता है, रातों-रात नहीं।

वैल्यू और प्राइस का अंतर समझें: वैल्यू इन्वेस्टिंग के जनक के मुताबिक, प्राइस वह राशि है, जो आप चुकाते हैं। वैल्यू वह गुणवत्ता या फायदा है, जो आपको मिलता है।

अब ग्रेग संभालेंगे 36 लाख करोड़ की तिजोरी : ग्रेग एबल नए साल की शुरुआत यानी गुरुवार से बर्कशायर हैथवे के विशाल साम्राज्य को संभालेंगे। 62 साल के एबल पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और पिछले कई दशकों से बर्कशायर के बैकस्टेज हीरो रहे हैं। बफेट उन्हें अपनी ऊर्जा मशीन कहते हैं। 1.09 लाख करोड़ डॉलर के नेटवर्थ वाली कंपनी बर्कशायर के तिजोरी में इस वक्त करीब 400 अरब डॉलर (करीब 35.9 लाख करोड़ रुपये) की भारी-भरकम नकदी पड़ी है। मुसीबत यह है कि जब तक ब्याज दरें ज्यादा थीं।

बीएनपी ने लगाया बड़ा इल्जाम, कहा- शेख हसीना की वजह से गई खालिदा जिया की जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन के बाद अब उनकी पार्टी BNP ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बहुत बड़ा इल्जाम लगा दिया है। बीएनपी ने बुधवार को आरोप लगाते हुए कहा है कि शेख हसीना को पार्टी चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया की मौत की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि लंबी बीमारी के बाद 80 वर्षीय खालिदा जिया का मंगलवार को निधन हो गया था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जातीय संसद भवन के साउथ प्लाजा में खालिदा जिया के अंतिम संस्कार से पहले उन्हें याद करते हुए शेख हसीना पर इस तरह के आरोप लगाए। नजरुल लंबे समय से खालिदा जिया के राजनीतिक सहयोगी रहे थे।

अंतिम संस्कार से पहले उन्होंने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस, बांग्लादेशी सशस्त्र बलों के प्रमुख और कई राजनीतिक दलों के नेता के सामने पार्टी की ओर से एक लिखित बयान पढ़ा। इस बयान में नजरुल इस्लाम खान ने कहा कि खालिदा जिया को 8 फरवरी, 2018 से दो साल से ज्यादा समय तक एक झूठे मामले में जेल में रखा गया था और इस दौरान सही इलाज ना मिलने के कारण उनकी सेहत बहुत ज्यादा खराब हो गई। उन्होंने कहा, 'पूरे देश ने देखा कि जो नेता खुद चलकर जेल गई थीं, वह एकांत कारावास से गंभीर रूप से बीमार होकर निकलीं।' नजरुल ने आगे कहा कि डॉक्टरों ने बताया कि अगले चार सालों की नजरबंदी के दौरान उनकी हालत और खराब हो गई क्योंकि उन्हें विदेश में इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने कहा, 'इसका नतीजा तब हुआ कि इस महान नेता की आखिरकार मौत हो गई। इसलिए, फासीवादी हसीना को इस मौत की ज़िम्मेदारी से कभी भी मुक्त नहीं किया जा सकता। इससे पहले बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहीं बेगम खालिदा जिया का बुधवार को अंतिम संस्कार किया गया। जिया का जन्म 1945 में भारत के वर्तमान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में हुआ था।

चुनाव से पहले बीएनपी के सामने जमात की पेशकश, जनमत सर्वेक्षण में दोनों दल करेंगे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में किसी वक्त प्रतिबंध का शिकार रह चुकी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी इस बार फरवरी में हो रहे चुनावों में देश की प्रमुख राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बनने जा रही है। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि जमात-ए-इस्लामी लगभग 17 वर्षों में पहली बार चुनाव लड़ रही है और इस चुनाव में वह बीएनपी के बाद दूसरे स्थान पर रहेगी। जमात का कहना है कि फरवरी में चुनाव के बाद पार्टी मिलीजुली सरकार के लिए तैयार है। सर्वेक्षणों के मुताबिक फरवरी में होने वाले चुनावों में बीएनपी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। वहीं दूसरे स्थान पर रहने वाली जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान ने कई दलों से बात कर मिलीजुली सरकार का बयान दिया है। यह 17 करोड़ की आबादी वाले

मुस्लिम बहुल देश में राजनीतिक वापसी का प्रतीक है। जमात ने 2001 से 2006 के बीच बीएनपी के साथ गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता संभाली थी। शफीकुर ने कहा, हम पांच वर्षों के लिए एक स्थिर राष्ट्र देखना चाहते हैं।

इस्लामी शासन की पैरोकारी को छोड़ा : जमात शरिया कानून के तहत इस्लामी शासन की वकालत करती है, लेकिन उसने अपने रूढ़िवादी आधार से परे हटकर यह पैरोकारी छोड़ दी है। पार्टी द्वारा अपनी अपील को व्यापक बनाने के तहत शफीकुर रहमान ने कहा, भ्रष्टाचार विरोधी अभियान किसी भी एकता सरकार का साझा एजेंडा होना चाहिए। वह बोले, पीएम उस पार्टी से होगा जिसे सर्वाधिक सीटें मिलेंगी। यदि जमात को सबसे अधिक सीटें मिलीं, तो पार्टी तय करेगी कि प्रधानमंत्री स्वयं उम्मीदवार होंगे या नहीं।

2013 से जमात पर लगा प्रतिबंध : अपदस्थ पीएम शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी अब चुनाव से प्रतिबंधित है। हसीना कार्यकाल में जमात पर 1971 के पाकिस्तानी स्वतंत्रता संघर्ष में युद्ध अपराधों के लिए कई नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई। युद्ध का जमात ने विरोध किया था। 2013 से जमात पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, लेकिन यूनुस सरकार ने अगस्त 2024 में पार्टी पर लगे सभी प्रतिबंध हटा दिए। रहमान ने कहा कि ढाका से भागने के बाद हसीना का भारत में रहना चिंता का विषय है, क्योंकि उनके पतन के बाद से दोनों देशों के संबंध दशकों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। लेकिन शफीकुर रहमान ने कई अंतरविरोधों के बावजूद इस साल की शुरुआत में एक भारतीय राजनयिक से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमें सभी के प्रति और एक-दूसरे के प्रति खुला होना चाहिए।

कनाडा में उड़ान भरने से पहले एअर इंडिया के पायलट ने पी शराब, हिरासत में लिया गया; दिल्ली आनी थी फ्लाइट

वैंकूवर, एजेंसी। कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक पायलट को नशे की हालत में हिरासत में लिया गया। 23 दिसंबर, 2025 को वैंकूवर-दिल्ली (वियना होते हुए) उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एक पायलट को जश्न मनाना भारी पड़ गया। पायलट को मुंह से शराब की गंध आने के बाद हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैंकूवर के एक ड्यूटी फ्री स्टोर की कर्मचारी ने पायलट को त्योहार के मौके पर दी जा रही शराब पीते हुए देखा। दावा किया गया है कि शराब की बोतल खरीदते समय पायलट के मुंह से शराब की गंध आई थी। कर्मचारी ने पायलट की सूचना कनाडाई

अधिकारियों को दी।

वियना में फ्लाइट में सवार हुई नई पायलट की टीम : कनाडाई अधिकारियों ने पायलट का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया, जिसमें वे फेल हो गए। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। एअर इंडिया ने तुरंत एक वैकल्पिक पायलट की व्यवस्था की। चार पायलटों या दो टीमों वाली ये उड़ान दो घंटे की देरी से रवाना हुई। विमान के वियना में उतरने के बाद यहां से चालक दल की एक अन्य टीम ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस मामले में एअर इंडिया ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बताया, 'पायलट को कुछ दिनों बाद दिल्ली लाया गया और उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को दी गई है, जो इसकी जांच कर रहा है।' कुछ सूत्रों का कहना है कि पायलट ने हवाई अड्डे पर अनजाने में शराब पी ली थी और ड्यूटी फ्री शॉप के एक कर्मचारी ने उसे ऐसा करते हुए देखा था। वहीं अन्य का कहना है कि बोतल खरीदते समय उससे शराब की गंध आ रही थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि असल में क्या हुआ था। कर्मचारी ने मामले की सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी, जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज का इस्तेमाल करके पता लगाया कि संबंधित पायलट को उड़ान भरनी थी।

जिनपिंग ने नए साल पर कहा- ताइवान पर कब्जा होकर रहेगा; ताइपे ने संप्रभुता की रक्षा का संकल्प दोहराया

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। इस दौरान शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे का संकल्प दोहराया। साथ ही जिनपिंग ने तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बनने की बात कही, जिसमें एआई और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों में विकास करने की बात भी कही।

नए साल के संबोधन में बोले जिनपिंग- ताइवान के लोगों के साथ हमारे खून के संबंध अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने तकनीक के मामले में देश के विकास को सराहा, जिनमें खासकर सैन्य तकनीक और अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। शी ने पिछले पांच वर्षों में देश की आर्थिक तरक्की में योगदान देने के लिए चीनी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा, 'हमने नवाचार के जरिए उच्च गुणवत्ता विकास को बढ़ावा देने की कोशिश की।'

शी जिनपिंग ने नए साल के संबोधन में ताइवान पर कब्जे की बात दोहाई। ताइवान एक स्व-शासित लोकतंत्र है, जिसे चीन अपना हिस्सा बताता है। शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे के बीजिंग के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा, 'ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर हम चीनी खून और संबंधों का बंधन साझा करते हैं। हमारी मातृभूमि का एकीकरण रोका नहीं जा सकता और यह समय की मांग भी है।' गौरतलब है कि चीन ने इस हफ्ते ही ताइवान की सीमा के आसपास दो दिनों तक सैन्य अभ्यास किया और नौसैन्य जहाज भी भेजे। चीन का यह कदम ऐसे समय सामने आया, जब अमेरिका, ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियारों

की बिक्री की योजना बना रहा है।

ताइवान के राष्ट्रपति ने कही संप्रभुता की रक्षा की बात : वहीं ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने गुरुवार को अपने नए साल के भाषण में चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं का विरोध किया और ताइवान की आत्मरक्षा को मजबूत करने का वादा किया। लाई ने अपने नए साल के संबोधन में कहा, 'चीन की बढ़ती विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के सामने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देख रहा है कि क्या ताइवानी लोगों में खुद की रक्षा करने का संकल्प है।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति के तौर पर, मेरा रुख हमेशा स्पष्ट रहा है कि राष्ट्रीय संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा करना, राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करना, और एक प्रभावी लोकतांत्रिक तंत्र का निर्माण करना चाहिए। ताइवान ने पिछले साल हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब डॉलर का विशेष बजट घोषित किया था, जिसमें ताइवान डोम नामक वायु रक्षा प्रणाली का निर्माण भी शामिल है। यह बजट आठ वर्षों में, 2026 से 2033 तक आवंटित किया जाएगा। ताइवान के राष्ट्रपति ने चीन के आक्रमण की धमकियों के बीच अपने देश के सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च बढ़ाने का वादा किया है। लाई ने कहा, 'चीन की गंभीर सैन्य महत्वाकांक्षाओं का सामना करते हुए, ताइवान के पास इंतजार करने का समय नहीं है।

हत्या के आरोपी का दूसरा वीडियो- उस्मान हादी को 5 लाख टका दिए थे, मैं भारत नहीं भागा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कट्टर भारत-विरोधी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध बताए जा रहे फैसल करीम मसूद ने 24 घंटे के भीतर दूसरा सेल्फ-रिकॉर्डेड वीडियो जारी कर अपनी बेगुनाही दोहराई है। वीडियो में मसूद ने दावा किया कि वह इस समय दुबई में है और हत्या से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

यह वीडियो बांग्लादेशी पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर शेयर किया। इसमें फैसल करीम मसूद ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के उस आरोप को सिरे से खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि हत्या के बाद वह हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत फरार हो गया। मसूद ने कहा कि उसने कभी भारत में प्रवेश नहीं किया और पुलिस का दावा पूरी तरह गलत है।

मसूद के अनुसार, उसकी पहचान शरीफ उस्मान हादी से सरकारी और आईटी से जुड़े ठेके हासिल करने के सिलसिले में हुई थी। उसने दावा किया कि मुहम्मद यूनुस के सरकारी हलकों में पैरवी के लिए उसने हादी को पांच लाख टका दिए थे। मसूद का कहना है कि यह रकम केवल लॉबिंग के लिए दी गई थी, न कि किसी गैरकानूनी उद्देश्य से।

मसूद ने वीडियो में कहा- मैंने उनसे नौकरी और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद के लिए बात की थी। उन्होंने भरोसा दिलाया और इसके बदले पांच लाख टका मांगे, जो मैंने दिए। उसने यह भी दावा किया कि बाद में दोनों के बीच राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ा संपर्क बढ़ा और हादी ने उससे अंतरिम सरकार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए स्वयंसेवक जुटाने में सहयोग मांगा। मसूद के मुताबिक, उनके बीच किसी तरह का विवाद नहीं था।

यह दूसरा वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब इससे पहले जारी अपने पहले

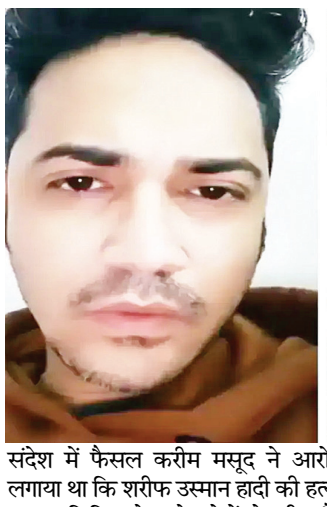

संदेश में फैसल करीम मसूद ने आरोप लगाया था कि शरीफ उस्मान हादी की हत्या जमात शिबिर से जुड़े लोगों ने की और जमातियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने कहा- मैंने हादी की हत्या नहीं की है। मुझे और मेरे परिवार को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है।

गौरतलब है कि शरीफ उस्मान हादी जुलाई 2024 के बांग्लादेश छात्र आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा थे और छात्र संगठन इंकलाब मंच के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने फरवरी 12 को होने वाले आम चुनावों के लिए ढाका के बिजयनगर क्षेत्र से उम्मीदवार के तौर पर भी अपनी मुहिम शुरू की थी।

शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से निकलते समय नकाबपोश हमलावरों ने गोलीबारी की थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या के बाद बांग्लादेश में व्यापक हिंसा और अशांति फैल गई थी। कई इलाकों में विरोध-प्रदर्शन हुए, भारतीय उच्चायोग की इमारत पर हमला किया गया और देश के प्रमुख मीडिया संस्थानों प्रथम आलो और द डेली स्टार के दफ्तरों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है और बांग्लादेशी सुरक्षा एजेंसियां फैसल करीम मसूद के दावों की जांच कर रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झोपड़ी में लिव-इन पार्टनर के साथ सो रहे किसान को जिंदा जला दिया, दोनों की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के चेंगम इलाके में कुछ अज्ञात हमलावरों ने एक झोपड़ी को बाहर से ताला लगाकर आग के हवाले कर दिया। इस भीषण अग्निकांड में झोपड़ी के भीतर सो रहे 53 वर्षीय किसान और उसकी 40 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की जिंदा जलने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पक्किरीपलायम गांव निवासी पी. शक्तिवेल और उनकी पार्टनर एस. अमृतम के रूप में हुई है। शक्तिवेल पेशे से किसान थे और एक ग्रामीण से पट्टे पर लिए गए तीन एकड़ के खेत में बनी छोटी सी झोपड़ी में रहते थे। रिपोर्ट में चेंगम पुलिस इंस्पेक्टर एम. सेल्वराज के हवाले से कहा कि झोपड़ी के भीतर दो शव ऐसी हालत में मिले जिन्हें पहचानना मुश्किल था। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हमलावरों ने साजिश के तहत झोपड़ी का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था ताकि अंदर मौजूद लोग बाहर न निकल सकें। मौके पर फोरेंसिक टीम और खोजी कुत्तों की मदद से सुराग जुटाए गए हैं। शवों का पोस्टमॉर्टम घटनास्थल पर ही किया गया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पड़ोसियों को कुछ जलने की तेज गंध आई, जिसके बाद उन्होंने मौके पर जाकर देखा कि झोपड़ी पूरी तरह राख हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में इस हत्याकांड के पीछे पारिवारिक रंजिश का एंगल सामने आ रहा है। शक्तिवेल तीन साल पहले अपनी पत्नी तमिलरसी से अलग हो गए थे। उनकी पत्नी अपने दो बेटों और एक बेटी के साथ बेंगलुरु में रहती हैं। वारदात से ठीक एक रात पहले शक्तिवेल की बेटी उनसे मिलने आई थी और रात 9 बजे खाना खाकर लौटी थी। अमृतम भी अपने पति से अलग रह रही थीं। उनके भी दो बेटे और एक बेटी हैं। शक्तिवेल और अमृतम पिछले तीन साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे इंस्पेक्टर सेल्वराज के मुताबिक, हमने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला दर्ज किया है। चूंकि दोनों ही अपने-अपने जीवनसाथी से अलग हो चुके थे और साथ रह रहे थे, इसलिए हम सभी पहलुओं से जांच कर रहे हैं। इसमें दोनों के पूर्व जीवनसाथियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस दोहरे हत्याकांड ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

संदेशखाली इलाके में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया हमला, 6 पुलिसकर्मी घायल

कोलकत्ता (एजेंसी)। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमला करने से 6 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने पुलिस की एक टीम बोयेरमारी गांव गई थी। पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों के एक समूह ने हमला किया और पुलिस वाहन को नुकसान पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी सहित छह घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। ये पुलिसकर्मी उस समय घायल हुए जब कुछ ग्रामीणों ने मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस वाहन में बिठाया था। अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मत्स्यपालन के लिए जल स्रोतों पर जबरन कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार आरोपी मूसा को पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। उसके अलावा, ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भीड़ को उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया गया। 5 जनवरी 2024 को, राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में स्थानीय टीएमसी नेता और जिला परिषद सदस्य शेख शाहजहाँ के आवास पर छापेमारी करने पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ। शाहजहाँ को बाद में सीबीआई ने गिरफ्तार किया और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि राज्य पुलिस पर हुए हमले ने ममता बनर्जी के शासन में टीएमसी कार्यकर्ताओं की 'हताशा और बेशर्मी' को उजागर किया है।

केरल के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरुरी : सुरेश गोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कहा है कि केरल के विकास के लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता वाली 'डबल इंजन' सरकार का होना जरुरी है। केंद्रीय मंत्री गोपी ने कोल्लम जंक्शन रेलवे स्टेशन पर विरासत भवनों को संरक्षित करने की संभावनाओं का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से ये बात कही। उनके साथ सांसद एन. के. प्रेमचंद्रन भी मौजूद थे। त्रिशूर से सांसद गोपी ने कहा, ''मेरी लोगों से केवल यही प्रार्थना है कि वे अन्य राज्यों में 'डबल इंजन' सरकार के कारण मिल रहे लाभों को देख ले। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरुरी है। केंद्र द्वारा स्वीकृत फॉरेंसिक प्रयोगशाला परियोजना का जिक्र कर गोपी ने कहा कि इस शुरुआत में त्रिशूर में स्थापित करने का प्रस्ताव था, लेकिन विजयन सरकार द्वारा भूमि की अनुपलब्धता का हवाला देने के बाद तिरुवनंतपुरम स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री गोपी ने कहा, केंद्र ने त्रिशूर में 25 एकड़ जमीन मांगी थी। त्रिशूर में अब एक अन्य बड़ी परियोजना आएगी। मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को त्रिशूर से संभवत- कुछ समस्या है, क्योंकि कई विकास परियोजनाओं को जिले से बाहर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि त्रिशूर की जनता को यह बताया जाना चाहिए कि विकास परियोजनाओं को उनके जिले से बाहर आखिर क्यों भेजा जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास में हर क्षेत्र को शामिल किया जाना चाहिए।

विलेज डिफेंस गार्ड ने दिखाया अदम्य साहस... डरकर भागे तीन आंतकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की देसा घाटी में आतंकियों की बड़ी साजिश को विलेज डिफेंस गार्ड (वीडीजी) की बहादुरी ने नाकाम किया। शाम करीब 7:00 बजे जब तीन हथियारों से लैस आतंकियों ने रिहायशी इलाके को निशाना बनाने की कोशिश की, तब एक सतर्क स्थानीय गार्ड ने अदम्य साहस दिखाकर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। सूत्रों के मुताबिक दावेलकुंड इलाके के पास जंगल के रास्ते तीन संदिग्ध आतंकी गांव की ओर बढ़ते दिखाई दिए। स्थिति की गंभीरता को देखकर तैनात वीडीजी सदस्य ने तुरंत मोर्चा संभाला। उसने न केवल अपने परिवार और घर को सुरक्षित किया बल्कि कवर लेकर आतंकियों की दिशा में सटीक फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए जवाबी हमले से आतंकी घबरा गए। उन्हें अंदाजा नहीं था कि स्थानीय स्तर पर इतनी कड़ी चुनौती मिलेगी। खुद को घिरता देखकर आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर वापस घने जंगलों की ओर भाग गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स को सूचित किया गया। इसके बाद डोडा के सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अन्य वीडीजी सदस्यों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वीडीजी सदस्य की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े जानमाल के नुकसान को टाल दिया है।

क्या खत्म होगी मनरेगा की जॉब गारंटी ? खरगे का, नए कानून अधिकारों पर सीधा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के एमजीएनआरईजीए बचाओ संग्राम की तीन प्रमुख मांगों को रेखांकित कर इस बात पर जोर दिया कि यह योजना दान नहीं बल्कि एक कानूनी गारंटी है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार से हाल ही में पारित विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को वापस लेने, एमजीएनआरईजीए को अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग करती है।

कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए दान नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब लोगों को उनके अपने गांवों में काम मिला, एमजीएनआरईजीए ने भूख और संकटग्रस्त पलायन को कम किया, ग्रामीण मजदूरी बढ़ाई और महिलाओं की आर्थिक गरिमा को मजबूत किया कांग्रेस नेता खरगे ने आरोप लगाया कि वीबी-जी राम जी अधिनियम एमजीएनआरईजीए की अधिकार-आधारित संरचना को नष्ट करता है, क्योंकि यह गारंटीकृत कार्य को मनमानी से बदल देगा, नियंत्रण को केंद्रीकृत करेगा और ग्राम सभाओं और राज्यों को कमजोर करेगा।

खरगे ने कहा कि वीबी ग्राम जी अधिनियम इसी अधिकार को समाप्त करने के लिए लाया गया है। कांग्रेस इसका विरोध करती है, क्योंकि काम अब गारंटीकृत अधिकार नहीं रहेगा, बल्कि चुनिंदा पंचायतों में केवल एक अनुमति होगी। बजट सीमित कर दिए जाएंगे, इसलिए संकट के समय में भी धन समाप्त होते ही काम भी बंद होगा। दिल्ली निधि और कार्यों का निर्णय करेगी, जिससे ग्राम सभाएं और पंचायतें अप्रासंगिक हो जाएंगी। 60 दिनों के काम पर रोक से संकट के चरम समय में काम से इंकार करना वैध हो जाएगा। मजदूरी एक संरक्षित अधिकार होने के बजाय अनिश्चित और दमनीय हो जाएगी। राज्यों को 40 प्रतिशत निधि प्रदान करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिससे संघवाद कमजोर होगा और गरीब राज्यों को नुकसान होगा। प्रौद्योगिकी बायोमैट्रिक और ऐप-आधारित बाधाओं के माध्यम से श्रमिकों को बाहर कर देगी। ग्राम संपत्तियों को ठेकेदार शैली की परियोजनाओं से बदल दिया जाएगा। खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए पर हमला करोड़ों श्रमिकों और उनके संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। हम हर पंचायत से लेकर संसद तक शांतिपूर्ण और दृढ़ता से इसका विरोध करने वाले है।

असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होने वाले हैं : गौरव गोगोई

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होने हैं, यह मुकाबला राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि असम की जनता और उस व्यक्ति के बीच होगा, जिसे उन्होंने स्वयं को राजा समझने वाला कहा। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही राजा की पहचान जानती है। कांग्रेस नेता गोगोई ने बताया कि विपक्षी दल जनता में व्याप्त आक्रोश और हताशा को समझते हुए उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल वित्तीय प्रलोभन, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और चुनावी कानूनों के कथित उल्लंघनों के द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन असम की जनता इससे प्रभावित नहीं होगी। गोगोई ने कहा कि राज्य की जनता एकजुट होकर यह संदेश देगी कि धन, बल, अहंकार, धमकियाँ और विभाजनकारी राजनीति उनकी गरिमा को कुचल नहीं सकती। उन्होंने असम की भूमि, संस्कृति, विरासत, शांति और सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने का संकल्प जताया। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि असम चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय महत्व के होंगे और पूरे देश पर प्रभाव डालने वाले है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर नागरिकों को प्रजा की तरह मानने और उनके अधिकारों को सीमित करने का आरोप लगाया। सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का दुरुपयोग लाभार्थियों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है।

पुलिस को अपराध के खिलाफ सख्त और जनता के प्रति नरम रुख रखना चाहिए: स्टालिन

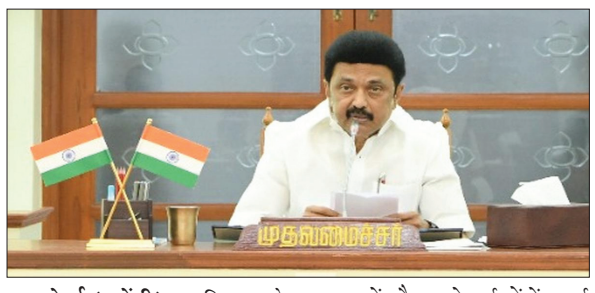

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नव नियुक्त पुलिसकर्मियों को बधाई देकर उनसे जनता की सेवा के प्रति करुणा, ईमानदारी और जिम्मेदारी का भाव बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपराध के खिलाफ सख्त और जनता के प्रति नरम रुख रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने नए साल 2026 की शुभकामनाएं देकर कहा कि पुलिस में शामिल होने के साथ ही उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। सीएम स्टालिन ने कहा कि लोग रात और सुबह बिना भय के बाहर जा सकें, इसके लिए पुलिस की तत्परता जरुरी है। उन्होंने तमिलनाडु को पूरे भारत में सुरक्षित और शांति का द्वीप बताकर वैश्विक कंपनियों द्वारा निवेश के लिए पसंदीदा राज्य बताया। नव नियुक्त पुलिसकर्मियों से अपेक्षा की गई कि वे इस भरोसे को बनाए रखें और अपने कर्तव्यों में सतर्क रहें। मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अपराध नियंत्रण में सक्रिय रहना होगा, ताकि बच्चों और समाज पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

सीएम स्टालिन ने प्रत्येक पुलिसकर्मी से आग्रह किया कि वे संकल्प लें, मेरे क्षेत्र में कोई अपराध मेरे नियंत्रण के बिना नहीं होगा उन्होंने कहा कि अधिकार का प्रयोग हमेशा तर्कसंगत और जनता के हित में होना चाहिए। सकारात्मक कार्य पूरे विभाग को गौरवान्वित करते हैं, जबकि एक भी गलती जनता का भरोसा तोड़ सकती है। उन्होंने यह संदेश दिया कि तमिलनाडु का भविष्य पुलिस की प्रतिबद्धता और कार्यशैली पर निर्भर है।

महाराष्ट्र राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा, सीएम फडणवीस ने लोगों को दिलाया भरोसा

मुंबई (एजेंसी)। पहचान और शासन को लेकर चल रही बहसों के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फिर कहा हैं कि राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा है और नागरिकों को आश्वासन दिया है कि कोई अन्य भाषा थोपी नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है और इस बात पर जोर दिया है कि राज्य सरकार का अपने लोगों पर कोई अन्य भाषा थोपने का इरादा नहीं है। उनकी यह टिप्पणी भाषा नीति, शिक्षा और सांस्कृतिक पहचान पर चल रही राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा के बीच आई है। जबकि सरकार इस रुख को मराठी गौरव को संरक्षित करने और भाषाई विविधता का सम्मान करने के बीच संतुलन के रूप में प्रस्तुत करती है, विपक्षी दल, शिक्षाविद और नागरिक समाज समूह इस बात पर बहस जारी रखे हुए हैं कि ऐसी नीतियां अल्पसंख्यकों, सामाजिक सद्भाव और रोजमर्रा के शासन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य की स्कूली शिक्षा में मराठी भाषा ही एकमात्र अनिवार्य भाषा रहेगी। किसी अन्य भारतीय भाषा को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। अन्य भाषाएं किस कक्षा से पढ़ाई जाएंगी, इस पर फैसला डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा। यह बात उन्होंने 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान और आत्मा है। इसलिए इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्हें अनिवार्य करने का कोई इरादा भी नहीं है। भाषा नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाने के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट अंतिम चरण में है और उसी के आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। मराठी साहित्य और संस्कृति पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राज्यव्यवहार कोश के माध्यम से मराठी को प्रशासनिक भाषा का दर्जा दिया था। सरकार आज भी मराठी के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया जाना गर्व की बात है।

ऑर्गन डोनेट करने में कर्नाटक ने तोड़ा रिकॉर्ड... 198 अंग दान के साथ बनाई खास जगह

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक ने साल 2025 में अंग दान कर अब तक का बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। राज्य में इस साल कुल 198 अंग दान किए, जो पिछले रिकॉर्ड 2023 में दर्ज 178 अंग दान को पार कर गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रिकॉर्ड के साथ कर्नाटक ने नेशनल लेवल पर ऑर्गन डोनेट करने में तीसरा राज्य बना है। एजेंसी के अनुसार, सूची में तमिलनाडु सबसे ऊपर रहा, जहां 267 अंग दान हुए, जबकि तेलंगाना ने 205 अंग दान दर्ज किए। महाराष्ट्र और गुजरात ने क्रमशः 153 और 152 अंग दान किए। कर्नाटक की यह तीसरी स्थिति राज्य की लगातार बढ़ती जागरूकता और अस्पतालों में बेहतर ट्रांसप्लांट सुविधाओं के कारण है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अंग दान करने की बढ़ोतरी के पीछे लोगों की भागीदारी और अस्पतालों में बेहतर निगरानी और बेहतर प्रबंधन। अधिकारी कहते हैं कि लोगों में अंग दान के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ी है और परिवार और समाज में अंग दान को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि कर्नाटक में इस तरह के आंकड़े जीवन बचाने वाले ट्रांसप्लांट के लिए उम्मीद जगाते हैं। अंग दान के माध्यम से कई रोगियों को नई जिंदगी मिली है और इससे जुड़े जागरूकता अभियान लोगों को अंग दान के सामाजिक और नैतिक महत्व के प्रति संवेदनशील बना रहे हैं।

शाह की डेडलाइन के बाद एक्शन में सुरक्षाबल... दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नए साल के पहले ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरु कर दी है। सुकमा और पड़ोसी बीजापुर जिले में हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 14 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें एक महिला नक्सली शामिल है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और सुरक्षाबलों की टीम ने करीब 5 बजे इन ऑपरेशनों को अंजाम दिया।

बता दें कि तेलंगाना सीमा के पास गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि अब तक तीन शव बरामद किए हैं और भारी मात्रा में हथियार जब्त किए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मारे गए नक्सली किस्टाराम एरिया कमेटी के सदस्य थे।

बात दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मार्च 2026 की समय सीमा तय करने के बाद से सुरक्षाबलों के ऑपरेशनों में जबरदस्त तेजी आई है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में छत्तीसगढ़ में कुल 503 नक्सली मारे जा चुके हैं। 2025 में 284 नक्सली ढेर हुए हैं, जिसमें से 255 सिर्फ बस्तर क्षेत्र के हैं। 2024 में राज्य में कुल 219 नक्सली मारे गए थे। सुरक्षाबलों की आक्रामक कार्रवाई ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की कमर तोड़ दी है। छत्तीसगढ़ में अब यह संगठन करीब बिना सिर का हो गया है। महासचिव नंबला केशव राव उर्फ बसवाराजू और सैन्य नेता माड़वी हिड़मा सहित 9 सेंट्रल कमेटी (सीसी) सदस्य मुठभेड़ों में मारे जा चुके हैं। संगठन के पास अब केवल तीन सीसी सदस्य बचे हैं, जिनमें से गणेश उइके ओडिशा में और अनलदा झारखंड में सक्रिय हैं। मल्लरजी रेड्डी राज्य से बाहर हैं। प्रमुख नेता देवजी और गणपति राज्य छोड़ चुके हैं, जबकि वेणुगोपाल राव और पुल्लुरी प्रसाद राव जैसे नेताओं ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए बंद किया क्षेत्र... उधर पाकिस्तान ने ढाका के लिए खोला

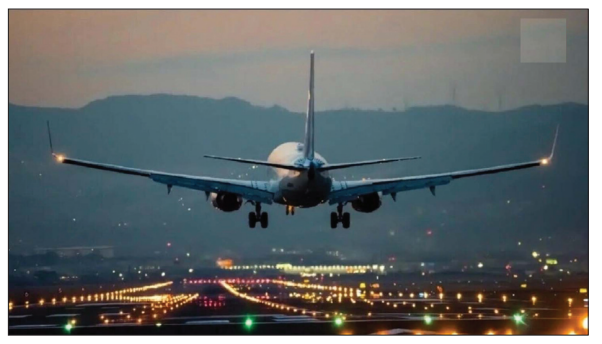

नई दिल्ली। भारत द्वारा पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के बाद क्षेत्रीय विमानन और कूटनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने अहम कदम उठाकर बांग्लादेश की राष्ट्रीय एयरलाइन 'बिमान एयरवेज' को ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें संचालित करने की परमिशन दे दी है। यह मंजूरी ट्रायल आधार पर तीन महीनों के लिए दी गई है, जो मार्च 2026 के अंत तक वैध रहेगी। आवश्यकता और अनुभव के आधार पर इसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (पीसीएए) के अनुसार, यह फैसला केंद्र की स्वीकृति के बाद लिया गया है। बिमान एयरवेज को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में तय किए रूट्स का सख्ती से पालन करना होगा। साथ ही, ढाका से उड़ान भरने से पहले कराची एयरपोर्ट प्राधिकरण को पूरी फ्लाइट डिटेल्स उपलब्ध करानी होंगी। उड़ानों का शेड्यूल और अन्य परिचालन संबंधी विवरण जल्द ही अंतिम रूप ले लिए जाएंगे। सभी उड़ानें पाकिस्तान के सिविल एविएशन नियमों के तहत संचालित की जाएंगी।

हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने एयरस्पेस को बंद किया था, इसकारण पाकिस्तानी विमान भारत के हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान नहीं भर सकते। वहीं, बांग्लादेशी एयरलाइनों पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों में अगस्त 2024 के बाद से तेजी से सुधार देखा गया है। पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने और भारत में शरण लेने के बाद ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में तनाव आया, जबकि इस्लामाबाद ने ढाका के साथ रिश्ते मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दीं। नवंबर 2024 में पीआईए और बिमान के बीच कार्गो समझौता हुआ, फरवरी 2025 में पहला कार्गो जहाज पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचा और दिसंबर 2025 में बिमान द्वारा कराची के लिए नियमित उड़ानों की घोषणा की गई।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और टीएमसी के बीच विवाद तेज

– टीएमसी ने बीएलए को सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच विवाद तेज हो गया है। यह मामला अब अदालत तक पहुंचने की कगार पर है। निर्वाचन आयोग ने टीएमसी की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें पार्टी के बीएलए को मतदाता सूची के मसौदे पर दावों और आपत्तियों की सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी।

राज्य में तीन चरणों वाली एसआईआर प्रक्रिया का पहला चरण पूरा हो चुका है। घर-घर सर्वे, फॉर्म वितरण, फॉर्म भरवाने और डिजिटल एंट्री के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो चुकी है। अब दूसरा चरण दावों और आपत्तियों की सुनवाई पर केंद्रित है, जो 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के मुताबिक यदि टीएमसी की मांग मान ली जाती, तो अन्य सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की समान मांगें भी स्वीकार करनी पड़तीं।

इससे सुनवाई में कम से कम 11 अतिरिक्त व्यक्ति उपस्थित होते, जिसमें दावेदार, उसके सहायक और कम से कम आठ दलों के बीएलए शामिल होते। इसमें चुनावी पंजीकरण अधिकारी, सहायक ईआरओ, माइक्रो ऑब्जर्वर के अलावा मतदाता और उसके साथी भी होते। ईसीआई सूत्रों का कहना है कि इतनी भीड़ में सुनवाई प्रक्रिया संचालित करना असंभव हो जाता और अलग-अलग एजेंट अपनी-अपनी व्याख्या करते, जिससे अराजकता फैलती। पश्चिम बंगाल में मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय पार्टियां टीएमसी और फॉरवर्ड ब्लॉक हैं, जबकि राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, सीपीआई(एम), आम आदमी पार्टी, बसपा और एनपीपी हैं।

आयोग के इनकार पर टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह जानबूझकर किया गया, क्योंकि अन्य दलों, खासकर बीजेपी के पास सभी सुनवाई टेबलों के लिए पर्याप्त बीएलए नहीं हैं। टीएमसी ने कहा कि बीजेपी के पास तो उम्मीदवार उतारने लायक कार्यकर्ता भी नहीं हैं। आयोग के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि वे किसी पार्टी की कथित ताकत या कमजोरी की कल्पना पर फैसले नहीं ले सकते। सभी दलों के लिए समान नियम लागू करने होते हैं, जो व्यावहारिक और उपयोगी हों। चुनाव आयोग ने कहा कि सुनवाई में दस्तावेजों के जांच और सवाल-जवाब होते हैं, जिसमें बीएलए की कोई राजनीतिक भूमिका नहीं है। इसलिए सभी दलों के बीएलए को अनुमति न देना तर्कसंगत है, ताकि प्रक्रिया बिना बाधा के पूरी हो। टीएमसी आयोग के इस फैसले को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की पारदर्शिता का मुद्दा बता रही है, जबकि आयोग इसे प्रक्रिया की सुचारूता के लिए जरूरी कदम मानता है।